मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार,07 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख कृष्ण 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 202, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भय से विश्वास तक: एक युगांतकारी परिवर्तन

कुब्रा सैत की सलाह सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए ◂◂ 6

बंगाल में एसआईआर के बाद 90 लाख से ज्यादा मतदाता वोटर लिस्ट से बाहर

चुनाव आयोग ने पहली बार जारी किया जिलेवार डेटा

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत विचाराधीन 60 लाख से अधिक मामलों का विस्तृत डेटा जारी किया है। इस प्रक्रिया के दौरान अब तक कुल 90.66 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। आयोग ने पहली बार जिलावार आधार पर नाम जोड़ने और हटाने के आंकड़े भी सार्वजनिक किए हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया तीन प्रमुख चरणों में पूरी हुई। दिसंबर 2025 में प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार करते समय 58.12 लाख नाम हटाए गए थे। इसके बाद फरवरी 2026 में अंतिम सूची के प्रकाशन तक 5.46 लाख और नाम हटाए गए। वर्तमान में न्यायिक अधिकारियों की जांच के बाद 27 लाख से अधिक नाम हटाने का निर्णय लिया गया,

जिससे कुल संख्या 90 लाख के पार पहुंच गई है।

आयोग के अनुसार, लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी डेटा में तकनीकी गड़बड़ियों के आधार पर 60 लाख से अधिक मतदाताओं को जांच के दायरे में रखा गया था। इन मामलों को अंडर एडजुडिकेशन श्रेणी में रखा गया, ताकि न्यायिक अधिकारी इनकी जांच कर सकें। अब तक लगभग 59.84 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। जांच के बाद करीब 32.68 लाख पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़े गए, जबकि 27.16 लाख अपात्र पाए गए नाम हटाए गए हैं। शेष मामलों की समीक्षा जारी है।

निर्वाचन आयोग के इतिहास में यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल एसआईआर से संबंधित जिलावार एडिशन और डिलीशन (नाम जोड़ना/हटाना) का डेटा सार्वजनिक किया गया है। आयोग का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और मतदाता सूची की विश्वसनीयता बढ़ाना है। बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा करना प्रशासनिक रूप से चुनौतीपूर्ण था, जिसे न्यायिक अधिकारियों की मदद से पूरा किया गया।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि यह मतदाताओं को बाहर करने की साजिश है और इसका अधिक प्रभाव अल्पसंख्यक तथा सीमावर्ती क्षेत्रों पर पड़ा है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम बता रहे हैं।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में प्रस्तावित है। ऐसे में रक्फ़ प्रक्रिया और मतदाता सूची में हुए बदलाव को लेकर राज्य में सियासी घमासान तेज हो गया है।

मद्रास हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

हिरासत में हत्या मामले में नौ पुलिसवालों को सजा-ए-मौत

एजेंसी

चेन्नई: साल 2020 के चर्चित सथानकुलम कस्टोडियल किलिंग मामले में एक बड़ा और अहम फैसला सामने आया है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बैंच ने इस मामले में दोषी पाए गए तमिलनाडु के नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस घटना को रेयरेस्ट ऑफ रेयर यानी बेहद जघन्य अपराध मानते हुए यह सख्त सजा दी है। यह फैसला छह साल तक चले लंबे ट्रायल के बाद सुनाया गया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला अत्यधिक क्रूरता और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण है। यह मामला तूतीकोरिन जिला के सथानकुलम से जुड़ा है, जहां व्यापारी पी जयराज और उनके बेटे जे बेन्निक्स की हिरासत में मौत हो गई थी। दोनों को 19 जून, 2020 को पुलिस ने कोविड-19 लॉकडाउन नियमों के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने अपनी मोबाइल एक्सेसरी की दुकान निर्धारित समय के बाद भी खुली रखी थी। जांच के दौरान सामने आया कि हिरासत में दोनों के साथ लगातार और बर्बर मारपीट की गई। उन्हें पूरी रात प्रताड़ित किया

गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। मामला इतना गंभीर हो गया कि इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई थी।

सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि यह अत्याचार पूर्व नियोजित था और पूरी रात चलाया गया। जांच एजेंसी ने अदालत में यह दलील दी कि आरोपियों ने जानबूझकर इस वारदात को अंजाम दिया, इसलिए उन्हें अधिकतम सजा दी जानी चाहिए। इस मामले में जिन नौ पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया गया है, उनमें इंस्पेक्टर एस। श्रीधर, सब-इंस्पेक्टर पी रघु गणेश और के बालकृष्णन शामिल हैं। इसके अलावा हेड कांस्टेबल एस मुरुगन और ए समदुरई तथा कांस्टेबल एम मुथुराज, एस चेल्लादुरई, एक्स। थॉमस फ्रांसिस और एस वेलुमुथु के नाम शामिल हैं। इस केस में एक दसवां आरोपी स्पेशल सब-इंस्पेक्टर पॉलदुरई भी था, जिसकी ट्रायल के दौरान कोविड-19 से मौत हो गई थी।

देश के लिए नजीरः यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, बल्कि यह पूरे देश में पुलिस हिरासत में होने वाली घटनाओं पर सख्त संदेश भी देता है, कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह कानून लागू करने वाली एजेंसियां ही क्यों न हों।

ट्रंप की धमकी के बीच ईरान का मास्टर प्लान

पावर प्लांटों के चारों ओर बनाएगा मानव चेन

एजेंसी

नई दिल्ली :अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब और अधिक गंभीर होता जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर ईरान को दी गई डेडलाइन खत्म होने में अब कुछ ही घंटे शेष हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान ने समयसीमा तक कदम नहीं उठाया, तो अमेरिका देश के बिजली संयंत्रों और पुलों को निशाना बना सकता है। इस गंभीर चेतावनी के बीच ईरान की राजधानी तेहरान में सरकार ने नागरिकों से देश के बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया है। दरअसल, ट्रंप द्वारा दी गई समयसीमा बुधवार सुबह 3:30 बजे (स्थानीय समय) समाप्त होगी। इससे पहले ईरान के

खेल और युवा मंत्रालय ने एथलीटों, कलाकारों, छात्रों और युवाओं से मंगलवार दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) परमाणु स्थलों और बिजली संयंत्रों के आसपास एकत्र होने की अपील की है। ईरान के युवा मामलों के मंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक वीडियो संदेश में बताया कि विश्वविद्यालयों के छात्रों, युवा कलाकारों और संगठनों ने बिजली संयंत्रों के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, इस प्रतीकात्मक पहल को उज्ज्वल भविष्य के लिए ईरान के युवाओं की मानव श्रृंखला नाम दिया गया है।

देशभर में भागीदारी की उम्मीदः मंत्री ने उम्मीद जताई कि देशभर के युवा इस पहल में शामिल होंगे। उनके अनुसार, यह कदम न केवल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि देश के भविष्य के प्रति युवाओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा था कि ईरान के पास मंगलवार तक का समय है। यदि वह समझौता नहीं करता और होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलता, तो अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

पवन खेड़ा के घर असम पुलिस ने की छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मंगलवार को असम पुलिस की एक स्पेशल टीम पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एक एफआईआर के ठीक एक दिन बाद हुई है।

क्या है पूरा मामला?

सामने आई जानकारी के अनुसार असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के सिलसिले में

उनके घर पर छापेमारी की है। इस दौरान स्थानीय दिल्ली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही, जो कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए असम पुलिस के अधिकारियों की सहायता कर रही है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पुलिस का इरादा केवल पूछताछ का है या खेड़ा की गिरफ्तारी की संभावना भी है। पवन खेड़ा के घर के बाहर इस समय सुरक्षा बढ़ा दी गई है और राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री का कड़ा रुखः मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में मीडिया से बात करते हुए पवन खेड़ा के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने का संकल्प लिया। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा पवन खेड़ा के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, बस कुछ दिन इंतजार करें। कांग्रेस असम में खत्म हो चुकी है। दुबई के जिस अपार्टमेंट और प्रॉपर्टी के दस्तावेजों का हवाला दिया जा रहा है, वे स्क्रीब्ड प्लेटफॉर्म से चोरी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और पवन खेड़ा को इस मुद्दे पर पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप्स से मदद मिल रही है। उन्होंने सवाल उठाया, पाकिस्तान गौरव गोगोई की मदद क्यों कर रहा है?

चुनाव पर असरः असम में चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इन झूठे आरोपों के बाद सट्टा बाजार में एनडीए की सीटें 94 से बढ़कर 99 हो गई हैं और उन्हें उम्मीद है कि वे 100 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

मणिपुर में फिर दहला बिष्णुपुर, रॉकेट हमले में दो मासूमों की मौत, मां गंभीर

एजेंसी

इंफाल: मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सोमवार रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा रॉकेट और मिसाइलों से किए गए हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने कहा कि रॉकेट ट्रोंगलाओबी अवांग लेइकाई, मोइरांग में गिरे जिससे एक घर नष्ट हो गया और घर के अंदर मौजूद भाई-बहन की मौत हो गई। मृतकों की पहचान एक पांच वर्षीय लड़के और उसकी पांच महीने की बहन के रूप में हुई है। उनकी मां को गंभीर हालत में इम्फाल के राज मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह इलाका चुराचंदपुर जिले के निकट है, जो कुकी उग्रवाद का गढ़ है। मणिपुर संकट की शुरूआत इसी जिले में तीन मई, 2023 को हुई थी।

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद घायल मां की स्थिति का जायजा लेने के

लिए राज पॉलीक्लिनिक पहुंचे। उन्होंने पीड़ित महिला को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल और सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, यह बर्बर कृत्य मानवता पर सीधा हमला है और मणिपुर में लंबे समय से कायम शांति को भंग करने का प्रत्यक्ष प्रयास है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी, उन्हें ढूंढा जाएगा और कानून के तहत कड़ी सजा दी जाएगी। ऐसे आतंकी कृत्यों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरी सरकार प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है और शांति, व्यवस्था एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी। मैं जनता से एकजुट रहने और हमारी सामूहिक सद्भाव को भंग करने वालों के खिलाफ दृढ़ रहने का आह्वान करता हूं। इन हत्याओं के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए और मोइरांग पुलिस थाने पर हमला कर उसका गेट जला दिया। सूत्रों के अनुसार कुछ वाहन भी जला दिए गए।

राज्य के गृह मंत्री के. गोविंदास ने भी बच्चों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ह्ट्रोंगलाओबी अवांग लेइकाई में हुए इस जघन्य हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं। पीड़ित परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ऐसी क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन ने भी इस हमले की निंदा की। विधायक सपाम निशिकांत ने कहा, इस बर्बर कृत्य से हुए दर्द, शोक एवं आक्रोश को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ये सिर्फ बच्चे नहीं थे बल्कि हमारे अपने थे, मणिपुर की आत्मा का एक हिस्सा थे। क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण रहने के कारण मंगलवार को अधिकांश शिक्षण संस्थान बंद हैं।

सरायकेला में भाजपा नेता के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, फैली सनसनी

सरायकेला: मंगलवार सुबह करीब 6:55 बजे सालडीह बस्ती में भाजपा नेता सपन दास के आवास पर स्कूटी सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। अपराधियों ने तीन राउंड फायरिंग की, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। हमलावरों ने घर की खिड़की को निशाना बनाया और गाली-गलौज करते हुए पैदल ही फरार हो गए। स्थानीय स्तर पर हमलावरों की पहचान राजू उर्फ टकला और चंदन के रूप में की गई है। गौरतलब है कि बीते 4 अप्रैल को भी इन्हीं अपराधियों ने क्षेत्र में हिंसक वारदात को अंजाम देने की कोशिश की थी। पूर्व पार्षद नील पदम विश्वास ने आरोप लगाया कि पुलिस की शिथिलता के कारण अपराधियों के मनोबल बढ़े हुए हैं। 3 दिन पहले हुई घटना के बावजूद सख्त कार्रवाई न होना पुलिसिया कार्यशैली पर एक बड़ा धब्बा है। फिलहाल, पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है और बस्ती में तनाव को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पुलिस कर रही गंभीरता से जांच: थाना प्रभारी इधर, घटना के संबंध में आदित्यपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद तिर्की ने बताया कि पुलिस द्वारा गंभीरता से सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान कर उनके गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

मोजतबा को लेकर जारी एक रिपोर्ट में दावा

ईरान के सुप्रीम लीडर कोमा में फैसले लेने की स्थिति में नहीं

एजेंसी

तेहरान : मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। एक रिपोर्ट में राजनयिक सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि उनकी हालत गंभीर है और वे कथित तौर पर कोमा जैसी स्थिति में हैं। हालांकि, इस संबंध में ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी और इजरायली खुफिया सूत्रों का दावा है कि मोजतबा खामेनेई का इलाज कोम में चल रहा है, जो शिया धार्मिक सत्ता का प्रमुख केंद्र माना जाता है। बताया जा रहा है कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति के कारण वे शासन से जुड़े फैसलों में सक्रिय रूप से भाग नहीं ले पा रहे हैं। गौरतलब है कि अयातुल्लाह अली खामेनेई की

हाल ही में एक हमले में मौत होने की खबरों के बाद मोजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी माना गया। हालांकि, इन घटनाओं और हमले से जुड़ी कई जानकारियां स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हैं और इन्हें लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कोम में एक बड़े समाधि स्थल के निर्माण की तैयारियों को लेकर खुफिया एजेंसियों के पास जानकारी है, जिससे संकेत मिलता है कि शीर्ष नेतृत्व से जुड़े अन्य लोगों को भी वहां दफनाया जा सकता है। हालांकि, इन दावों की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।बताया जा रहा है कि हालिया हमले में मोजतबा खामेनेई घायल हुए थे, जबकि उनके परिवार के कई सदस्यों की मौत होने की भी खबरें हैं। इसके बाद से वे सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं और न ही उनकी कोई आधिकारिक ऑडियो या वीडियो सामने आई है।

हालांकि, ईरानी सरकारी मीडिया पर उनके नाम से बयान जारी किए जा रहे हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों का कहना है कि देश का नियंत्रण पूरी तरह नेतृत्व के हाथ में है और शासन सामान्य रूप से काम कर रहा है।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और इन खबरों के बीच स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं होती, तब तक इन रिपोर्ट्स को सावधानी के साथ देखा जाना चाहिए।

न्यूज IN ब्रीफ

रिम्स- 2, जमीन बचाओ आंदोलन मामले में देवेंद्र नाथ महतो को मिली जमानत

मुरी : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो को आज न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। रिम्स-2 जमीन बचाओ आंदोलन से जुड़े मामले में दर्ज केस में उन्होंने आज व्यवहार न्यायालय, रांची में सशरीर उपस्थित होकर जमानत याचिका दाखिल की, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। उनके वरीय अधिवक्ता सष्टी रंजन महतो ने बताया कि कांके थाना कांड संख्या- 228/25 के तहत देवेंद्र नाथ महतो के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। माननीय न्यायालय की मिथिलेश कुमार सिंह के पीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उन्हें एंटीसिपेटरी बेल प्रदान की है।

जमानत मिलने के बाद मीडिया वार्ता में देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि आदिवासी-मूलवासी की जमीन संरक्षण आंदोलन जारी रहेगा। सरकार आंदोलन से डर गई है। दबाने का प्रयास कर रही है, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। गौरतलब है कि बीते 24 अगस्त 2025 को कांके अंचल अंतर्गत मौजा नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स-2 परियोजना के विरोध में आंदोलन किया गया था। इस दौरान रैयत-ग्रामीणों के समर्थन में देवेंद्र नाथ महतो उपस्थित थे, जिसके बाद कांके थाना में उनके खिलाफ भारतीय दंड विधान के तहत मामला दर्ज किया गया था। उसी मामले में आज उन्हें न्यायालय रांची से जमानत मिली है।

बाइक दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर

मुरी-सिल्ली: प्रखंड अंतर्गत माझ पहाड़ के पास दो बाइक की टक्कर में दोनों बाइक सवार की हालत नाजुक हो गई। मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए सिंगपुर नर्सिंग होम मुरी भेजा गया। दोनों व्यक्तियों में एक का नाम मिथिलेश मुंडा (45 बर्ष), ग्राम करियाडीह तथा दूसरा का नाम मंगल महतो (50 वर्ष), ग्राम ब्राह्मणडीह बताया गया।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख घोषित, 19 को दो पालियों में होगा एग्जाम

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 की नई तिथि घोषित कर दी है। अब यह परीक्षा 19 अप्रैल 2026, रविवार को आयोजित होगी। पहले यह परीक्षा 12 अप्रैल को प्रस्तावित थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इसमें बदलाव किया गया है। इस संबंध में खढरउ के एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट द्वारा आधिकारिक जानकारी साझा की गई है।

आयोग के अनुसार, परीक्षा राज्य के विभिन्न जिलों में निर्धारित केंद्रों पर आयोजित होगी और इसे दो पालियों में संपन्न कराया जाएगा। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सामान्य अध्ययन प्रथम पत्र की होगी, जबकि दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक सामान्य अध्ययन द्वितीय पत्र की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आधिकारिक वेबसाइट पर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे परीक्षार्थीः एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थी 8 अप्रैल 2026 से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा केंद्र पर एडमिट कार्ड के साथ वैध फोटो पहचान पत्र ले जाना अनिवार्य होगा। बिना इसके प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा को लेकर आयोग ने कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने की अनुमति नहींः परीक्षा केंद्र पर मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम दो घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। डटफशीट भरने में विशेष सावधानी बरतने और केवल नीले या काले बॉल पेन का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, परीक्षा के दौरान बायोमेट्रिक और कम्क्र जांच की भी व्यवस्था रहेगी।

हादसे में रिटायर्ड होमगार्ड जवान समेत चार की मौत

पलामू: जिला में सोमवार का दिन हादसों का दिन भरा रहा। चार अलग-अलग हादसों में रिटायर्ड होमगार्ड जवान समेत चार की मौत हो गई है। सभी के शवों का पोस्टमार्टम करवाया गया है और परिजनों को सौंप दिया गया है।

मेदिनीनगर टाउन टाउन थाना क्षेत्र के बीसफूटा पुल के पास ट्रेन की चपेट में आने से रिटायर्ड होमगार्ड जवान रामानंद तिवारी की मौत हो गई। रामानंद तिवारी मॉर्निंग वॉक इसी दौरान में हादसे का शिकार हो गए। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने घटना कि पुष्टि करते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है और मामले में छानबीन की जा रही है। वहीं हैदरनगर एवं कोसियारा रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद हैदरनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची है। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। तीसरी घटना पलामू के पांकी थाना क्षेत्र के सूरजवन माड़न मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में प्रमोद कुमार भुइयां नामक युवक की मौत हो गई। मृतक पांकी थाना क्षेत्र के नौडीहा के रहने वाले थे और बाइक से मेदिनीनगर जा रहे थे। इसी क्रम में वह सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। पुलिस ने शवको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और परिजनों को सौंप दिया है। पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन ने घटना की पुष्टि किया है।

चौथी घटना पलामू के बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के शंखा में नेशनल हाईवे 39 पर हुए सड़क हादसे में पप्पू चंद्रवंशी नामक युवक की मौत हो गई।

सुरंग से कोयला निकालने के बाद तस्करी के लिए ले जाने की थी तैयारी, तभी पड़ा छापा, मचा हड़कंप

संवाददाता

गिरिडीह : सीसीएल कोलियरी के माइंस और बंद कोलियरी क्षेत्र से अवैध खनन कर कोयला की चोरी फिर परिवहन करना आम बात रही है। हर रात को कोयला चोर बाइक समेत सीसीएल के कबरीबाद इलाका में पहुंचतें हैं। फिर से यहां चोरी या अवैध खनन कर रखे गए कोयला को लादकर निकल जाते हैं।

सोमवार की रात भी इसी तरह की हरकत हो रही थी। रात में दर्जनों चोर बाइक लेकर माइंस एरिया पहुंचे थे। यहां सुरंग से कोयला निकालने के बाद

कोयला को लोड करने की तैयारी चल रही थी कि तभी सीसीएल गिरिडीह एरिया के परियोजना पदाधिकारी जीएस मीणा के साथ मुफ्फसिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो पहुंच गए। प्रबंधन और पुलिस के पहुंचते ही यहां भगदड़ मच गया। बाइक को छोड़कर तस्कर भागने लगे। इस दौरान कई बाइक को जब्त किया गया।

जान जोखिम में डालकर करते हैं चोरीः यहां मौजूद सीसीएल के परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा ने बताया कि आए दिन जान जोखिम में डालकर कोयला चोरी करने लोग पहुंच जाते हैं। सीसीएल सुरक्षा विभाग अपनी तरफ से पूरा प्रयास कर चोरों को खदेड़ता है। सोमवार रात को भी इसी तरह की सूचना पर कार्रवाई की गई और बाइक को जब्त किया गया। सभी बाइक मुफ्फसिल थाना पुलिस को सौंपा गया है और प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने कहा कि संयुक्त अभियान में बाइक जब्त किया गया है। इस मामले में सभी बाइक के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। साथ ही साथ जो लोग कोयला चोरी एवं तस्करी में शामिल हैं, उनके खिलाफ भी सख्त कदम उठाया जाएगा।

देह व्यापार के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता

पुलिस ने होटलों में मारा छापा,14 कपल्स गिरफ्तार

दरवाजा तोड़कर पुलिस ने लड़के- लड़कियों को पकड़ा, कुछ नाबालिग भी शामिल

संवाददाता

गढ़वा : जिले में हाल के दिनों में देह व्यापार के बढ़ते मामलों ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। खासकर छोटे शहरों में इस तरह की गतिविधियों का फैलना समाज के लिए गंभीर संकेत माना जा रहा है। होटल में पकड़े गए नाबालिग लड़के और लड़कियांः शहर में देह व्यापार का धंधा तेजी से फैल रहा है। इसमें नाबालिग लड़के-लड़कियों के साथ-साथ युवक और युवतियां भी शामिल पाए जा रहे हैं। सदर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के कुछ होटलों में बिना सही कागजात के लोगों को कमरे दिए जा रहे हैं और वहां गलत गतिविधियां हो रही हैं। इसके बाद पुलिस ने एक होटल में छापेमारी की, जहां नाबालिग लड़के और लड़कियां मिले। इससे मामला और गंभीर हो गया। पुलिस ने तुरंत इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद एसडीएम और पुलिस अधिकारियों की एक टीम बनाई गई। भारी पुलिस बल के साथ शहर के चार होटलों में छापेमारी की गई।

पुलिस ने 14 जोड़े को हिरासत में लिया : छापेमारी के दौरान एक होटल से आठ जोड़े युवक-युवतियों को दरवाजा तोड़कर पकड़ा गया। वहीं रंका रोड स्थित एक अन्य होटल से तीन जोड़े पकड़े गए। कुल मिलाकर पुलिस ने 14 जोड़े लड़का-लड़की को हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए थाने ले गई। कार्रवाई के दौरान तीन होटलों को सील कर दिया गया और वहां के कर्मचारियों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान कुछ नाबालिग भी मिले हैं, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की पूरी जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वज्रपात की चपेट में आने से महिला गंभीर

संवाददाता

तोरपाः थाना क्षेत्र के इचा बड़का टोली गांव में सोमवार को दोपहर करीब तीन बजे भारी बारिश के दौरान हुए वज्रपात की घटना में एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घायल महिला की पहचान 49 वर्षीय संतोषी आइंद के रूप में की गई है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार, संतोषी आइंद अपने घर के आंगन में खाना खाने के बाद हाथ धो रही थीं। उसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आसमानी बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गईं। वज्रपात इतना तेज था कि संतोषी मौके पर ही झुलस गईं और दर्द से तड़पने लगीं। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने प्राथमिक उपचार के तौर पर उनके पैर में गोबर का लेप लगाया। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल तोरपा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि संतोषी आइंद की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली है। गांव में इस घटना के बाद दहशत का माहौल देखा गया। लगातार हो रही बारिश और गरज-चमक के बीच ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में खुले स्थान, पेड़ के नीचे और आंगन में खड़े रहने से ऐसे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को सलाह दी गई है कि खराब मौसम और वज्रपात के दौरान घर के भीतर सुरक्षित स्थान पर रहें, मोबाइल या बिजली के उपकरणों का कम उपयोग करें और खुले मैदान या ऊंचे स्थानों से दूरी बनाए रखें।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार संकट अनियमित आपूर्ति से बिगड़ी व्यवस्था

संवाददाता

चतराः जिले के इटखोरी बाल विकास परियोजना क्षेत्र के प्रखंडों (इटखोरी, मयूरहंड, पथलगड्डा, गिधौर) के आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को मिलने वाले पोषाहार पर संकट छा गया है। पोषाहार को नियमित रूप से संचालित रखने के लिए सेविकाओं पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। सेविकाओं ने दो दिन शुक्रवार और शनिवार को पोषाहार बंद कर दिया। उसके बाद विभागीय आश्वाशन के बाद सोमवार को पोषाहार चालू किया गया। मिली जानकारी के अनुसार सेविकाओं को पिछले साल साल 2025 के दूसरे तिमाही जून महीने तक (नवंबर में दिया गया था) का चावल उपलब्ध कराया गया था, उसके बाद चावल उपलब्ध नहीं होने के कारण पोषाहार संचालन में परेशानी हो रही है।

नियमित रूप से चावल उपलब्ध नहीं कराए जाने पर सेविकाओं ने गड़बड़ी की आशंका जताई है। एक सेविका ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया (संघ की पदाधिकारी) कि हमलोगों को नवंबर माह में प्रथम तिमाही (जनवरी, फरवरी, मार्च माह) का चावल दिया गया था, जबकि चावल निर्गत पंजी में द्वितीय तिमाही (अप्रेल,मई, जून) का हस्ताक्षर कराया गया। सेविका ने कहा कि हमलोगों को एक साल पीछे का चावल उपलब्ध कराया गया है, चावल की कमी में पोषाहार संचालित करना मुश्किल हो रहा है। सीडीपीओ अर्चना सिंह ने कहा कि एसएफसी द्वारा उपलब्ध दस्तावेज के अनुसार सेविकाओं को चतुर्थ तिमाही का चावल उपलब्ध करा दिया गया है, यह भ्रम और चूक कहां हुई है इसकी जांच की जा रही है। सीडीपीओ ने कहा कि केंद्र में बच्चों की उपस्थिति के अनुसार चावल आवंटित होता है, सुपरवाइजर के केंद्र निरीक्षण के दौरान जितने बच्चे भौतिक रूप से उपस्थित रहते हैं उसी के अनुसार चावल उपलब्ध होता है, खर्च के बाद जितना चावल बचता है उसी अनुसार अगले महीने चावल दिया जाता है।

असम विस चुनावः असम में भी शुरू होगी मंईयां सम्मान योजना : कल्पना

संवाददाता

रांची : असम विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार तेज हो गया है। इस बीच गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने कई जनसभाओं को संबोधित कर पार्टी के पक्ष में समर्थन मांगा और लोगों से बड़े वादे किए।

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने सोमवार को असम में कई जनसभाएं कीं और जोरदार चुनाव प्रचार किया। उन्होंने चाय बागान में काम करने वाले मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनती है, तो चाय बागान के मजदूरों को 500 रुपये न्यूनतम

मजदूरी दी जाएगी। इसके अलावा महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये सम्मान राशि देने का भी वादा किया गया।

हर परिवार को मिलेगा घर, बच्चों को अच्छी दी जायेगी शिक्षा : कल्पना सोरेन ने यह भी कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। मजबत विधानसभा क्षेत्र में प्रचार करते हुए उन्होंने लोगों से समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है।

विवाद का खौफनाक अंत

पत्नी ने बेलन से मारा तो पति ने सिलबट्टे पर पटक कर ले ली जान

शव को प्लास्टिक बैग में डाल हुआ फरार

संवाददाता

कोडरमा : जिले में तिलैया थाना क्षेत्र में आपसी घरेलू लड़ाई में पत्नी ने बेलन से पति पर वार किया, जिसके बाद गुस्से में पति ने सिलबट्टे से उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद खुद उसने ही ससुराल वाले को घटना के बारे में जानकारी दी। फिर शव को प्लास्टिक बैग में डाल कर खुद फरार हो गया।

मृतका की पहचान 25 वर्षीय प्रीति कुमारी के रूप में की गई है जो गिरिडीह जिले के राजधनवार की रहने वाली बताई जा रही हैं। मृतका के मामा अनिल स्वर्णकार ने बताया कि प्रीति की शादी पवन स्वर्णकार बड़े ही धूमधाम से 3 वर्ष पहले हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। पवन पेशे से टोटो ड्राइवर था और वह प्रीति के साथ झुमरीतिलैया के तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 2 में किराए के मकान में रहा करता था, इधर पवन कुछ दिनों से प्रीति के साथ राजधनवार में ही रह रहा था।

शुक्रवार की शाम पवन ने फोन पर बताया कि वह पुराने मकान को छोड़ एक नए मकान में किराएदार के रूप में रहने जा रहा है। इसी बीच शनिवार की सुबह उसने फोन कर बताया कि उसका प्रीति से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ हैं और प्रीति ने उसके सिर पर बेलन से प्रहार किया हैं जिससे क्रोधित होकर पवन ने प्रीति को मसाला पीसने वाले सिलवट पर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

इस सूचना के बाद प्रीति के परिजन झुमरी तिलैया पहुंचे और तिलैया थाना में इसकी लिखित शिकायत दर्ज करवाई। इसके पश्चात तिलैया पुलिस किराए के उस मकान में पहुंची, जहां पवन

अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। लेकिन वहां कमरे में ताला लगा हुआ था। इसके बाद पुलिस ताला तोड़कर अंदर प्रवेश की तो देखा कि वहां सारा सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद पुलिस ने पवन को फोन लगाना शुरू किया लेकिन पवन का फोन स्विच ऑफ आने के कारण उसका कहीं पता नहीं चल पाया।

प्रीति का शव प्लास्टिक में फेंक हुआ फरारः इधर तकनीकी जांच में पवन के मोबाइल का आखिरी लोकेशन मरकच्चो देखा गया। पुलिस लगातार पवन को ढूंढने में लगी थी इसी बीच रविवार को पवन का टोटो बेंगाबाद इलाके में कहीं देखा गया। इध,र प्रीति का कहीं कुछ पता नहीं चलने पर सोमवार की सुबह तिलैया पुलिस डॉग स्क्वायड की टीम के साथ उस किराए के मकान में पहुंची, जहां पवन रहता था ताकि प्रीति या पवन से संबंधित कोई साक्ष्य मिल सके। इसी बीच तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो सतपुलिया के पास रहने वाले एक मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी कि उनके घर के पास एक प्लास्टिक में बंधा हुआ कोई शव पड़ा हैं। जिसके बाद तिलैया पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की तो प्लास्टिक में बंधा हुआ शव प्रीति का ही निकला । बता दें कि प्रीति 4 माह से गर्भवती भी थी।

सोशल मीडिया में तस्वीरें देख गुस्से में था पवनः बताया जाता हैं कि प्रीति का झुमरी तिलैया के ही एक लड़के के साथ प्रेम प्रसंग की बातें सामने आ रही है। जिसकी कुछ तस्वीरें प्रीति की ओर से अपने सोशल मीडिया पर भी शेयर की गई थी। स्थानीय लोगों का ऐसा मानना है कि प्रीति के पति को इस बात की भनक लग गई थी और इसी संदेह में उसने उसकी हत्या कर दी। इधर झाड़ियां में शव मिलने के बाद आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई हैं।

रांची में आज से दो दिन आंधी-बारिश गरजेंगे बादल, चलेगी तेज हवा

✔ दोपहर बाद बदलेगा मौसम, ऑरेंज अलर्ट जारी

संवाददाता

रांची: पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक के साथ देश में मंगलवार को फिर से मौसम का मिजाज बदलेगा। इसका असर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के साथ ही मैदानी राज्यों में 10 अप्रैल तक दिखेगा। सात और आठ अप्रैल को ये चरम पर रहेगा। साथ ही, देश के अलग-अलग हिस्सों में कई मौसमी सिस्टम बन रहे हैं। इनसे 21 राज्यों में बारिश और ओले की आशंका है। इसके बाद 11 अप्रैल से फिर नया पश्चिमी विक्षोभ आएगा। बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में कई हिस्सों में आंधी और ओलावृष्टि का खतरा है। बिहार और झारखंड में आठ अप्रैल को ओले गिरने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 7 अप्रैल से लेकर 9 अप्रैल झारखंड के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। खासकर मध्य और दक्षिणी झारखंड में बादल गरजने, बिजली गिरने और तेज हवा चलने के आसार हैं। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। रांची, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, खूंटी, गुमला, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जैसे जिलों में मौसम का प्रभाव ज्यादा देखने को मिल सकता है। इन इलाकों में बारिश के साथ वज्रपात का खतरा भी बना रहेगा, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

बारिश और बादलों की वजह से कई जिलों में तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जाएगी। रांची में अधिकतम तापमान 32 से घटकर 31 डिग्री तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 18 से 17 डिग्री तक रहने की संभावना है। इसी तरह बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ में भी तापमान में गिरावट देखी जाएगी।देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे उत्तर-पूर्वी जिलों में बारिश का असर अपेक्षाकृत कम रहेगा. हालांकि यहां भी बादल छाए रह सकते हैं। वहीं कोडरमा, चतरा और पलामू जैसे उत्तर-पश्चिमी जिलों में तापमान ज्यादा रहेगा, लेकिन हल्की बारिश या हवा का असर देखने को मिल सकता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर उठे सवाल

क्या सिर्फ एक दिन की चिंता से सुधरेगा समाज का स्वास्थ्य?

✔ रांची की गलियों में नशे की चपेट में आ रहे मासूम बच्चे, नशा मुक्ति पर ठोस पहल की मांग

गुलाम शाहिद

रांचीः देशभर में आज विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जा रहा है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों और स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। लेकिन इस अवसर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या केवल एक दिन की चिंता से वर्षों से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान संभव है?

रांची के गली-मोहल्लों में आज भी कम उम्र के बच्चों को नशे की लत में फंसते देखा जा सकता है। यह स्थिति समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि जब बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे होते हैं, तब क्या हमें विश्व स्वास्थ्य दिवस की याद आती है?स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा इस दिन बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाते हैं, जो सराहनीय है, लेकिन नशा मुक्ति के लिए ठोस और स्थायी उपायों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। समाज के जागरूक वर्ग का मानना है कि अब समय आ गया है कि नशा मुक्ति को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जाए जितनी अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को दी जाती है।विशेषज्ञों का कहना है कि यदि गली-मोहल्लों के बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

आज आवश्यकता है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर नशा मुक्ति के लिए व्यापक अभियान चलाएं। जब तक बच्चों को नशे से मुक्त नहीं किया जाएगा, तब तक विश्व स्वास्थ्य दिवस का सपना अधूरा ही रहेगा।

आवास बोर्ड कॉलोनियों में व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्ती, ट्रेड लाइसेंस रद्द करने का निर्देश

संवाददाता

रांची: रांची नगर निगम ने झारखंड राज्य आवास बोर्ड की आवासीय कॉलोनियों में संचालित हो रही व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्ती बरतते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। निगम द्वारा जारी आम सूचना के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों (सिविल अपील संख्या 14604/2024 एवं 14605/2024) में पारित आदेश के आलोक में यह कार्रवाई की जा रही है।

सूचना में कहा गया है कि आवासीय कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि संचालित करना नियमों के विरुद्ध है। इसी के मद्देनजर झारखंड राज्य आवास बोर्ड, झारखंड द्वारा पूर्व में ही यह निर्देश दिया गया था कि ऐसे क्षेत्रों में ट्रेड लाइसेंस जारी न किए जाएं और पहले से जारी लाइसेंस को निरस्त किया जाए। रांची नगर निगम प्रशासन ने भी इस संबंध में 20 नवंबर 2025 को जारी पत्र के तहत स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवास बोर्ड की भूमि या भवन पर संचालित दुकानों एवं प्रतिष्ठानों के ट्रेड लाइसेंस को विधि-सम्मत तरीके से रद्द किया जाए। साथ ही, भविष्य में ऐसे क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का नया ट्रेड लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। नगर निगम के अनुसार, यह कदम आवासीय क्षेत्रों की मूल संरचना और उद्देश्य को बनाए रखने के लिए उठाया गया है। आदेश के अनुपालन में संबंधित दुकानों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मॉब लिंचिंग : मामूली विवाद में सब्जी विक्रेता को लाठी-डंडों से पीटकर मार डाला

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): जिले से दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। जिले के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र में एक सब्जी विक्रेता को महज आपसी विवाद के कारण लाठी-डंडों से इस कदर पीटा गया कि उसकी जान चली गई।

इस वारदात ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में लगातार भीड़ की हिंसा पर भी एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

बाजार में सरेआम वारदात को दिया गया अंजामः घटना की पृष्ठभूमि बेहद सामान्य और मामूली विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय अब्दुल बारीक मियां के रूप में हुई है, जो केलहवा बाजार में सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार बाजार में काम के दौरान ही कुछ स्थानीय लोगों के साथ अब्दुल का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। चश्मदीदों का कहना है कि शुरू में यह बहस साधारण लग रही थी, लेकिन देखते ही देखते वहां मौजूद कुछ लोग उग्र हो गए। आरोपियों ने बिना सोचे-समझे अब्दुल पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। मौके पर मौजूद भीड़ मूकदर्शक बनी रही और हमलावर तब तक प्रहार करते रहे जब तक कि वे अचेत होकर गिर नहीं पड़े।

आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

दहशत के साये में केलहवा बाजार और आसपास का क्षेत्रः इस हत्याकांड के बाद से पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के केलहवा बाजार और आसपास के गांवों में सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों में दहशत है कि मामूली विवाद में किसी की जान लेना अब आम होता जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल चुनाव

मतगणना के बीच आने लगे रूझान व परिणाम

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड स्टेट बार काउंसिल के चुनावों की मतगणना के बीच ताजा रुझान और परिणाम सामने आने लगे हैं। फिलहाल मिले आंकड़ों के मुताबिक अब्दुल कलाम रशीदी ने अन्य उम्मीदवारों के मुकाबले निर्णायक बढ़त बना ली है। वे कुल 594 मतों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। मतगणना की इस सूची में अधिवक्ताओं के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

शीर्ष पांच उम्मीदवारों की स्थिति

- ✔ अब्दुल कलाम रशीदीः 594 मतों के साथ पहले स्थान पर
- ✔ प्रशांत कुमार सिंहः 477 मतों के साथ दूसरे स्थान पर
- ✔ अभिषेक कुमार भारतीः 474 मतों के साथ तीसरे स्थान पर
- ✔ मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तवः 466 मतों के साथ चौथे स्थान पर
- ✔ ललित यादवः 447 मतों के साथ पांचवें स्थान पर

महिला अधिवक्ताओं में कौन आगे

इस सूची में जितेंद्र कुमार ने 372 मतों, राज कुमार ने 362 मत, और अनिल कुमार तिवारी ने 358 मतों के साथ शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही महिला अधिवक्ताओं की बात करें तो मधुलता रानी, मीरा कुमारी,निवेदिता कुंडू, रिंकू कुमारी भगत और मोली सिन्हा फिलहाल टॉप पांच में शामिल हैं। यह आंकड़े और मतों की संख्या बदल भी सकते हैं।

रिम्स की जमीन का अवैध बिक्री मामला

चार आरोपियों को एसीबी ने किया गिरफ्तार, भेजा जायेगा जेल

रांची : रिम्स जमीन अतिक्रमण मामले में एसीबी की कार्रवाई तेज हुई है। एसीबी की टीम ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राजकिशोर बड़ाईक, चेतन कुमार, राजेश कुमार झा और कार्तिक बड़ाईक शामिल है। इनमें चारों लोग ब्रोकर और जमीन खरीद बिक्री से जुड़े है। गिरफ्तार चारों लोगों की संलिप्तता एसीबी को मिली है। गिरफ्तार आरोपियों ने एसीबी को पूछताछ में कई जानकारियां दी है। एसीबी की टीम पूछताछ में आये बिंदुओं की जांच में जुटी है। गिरफ्तार चारों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेजा जायेगा।

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
दूरभाष–06524–223092,(मो0)9431706376,
E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(गुमशुदा की तलाश)

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि पीड़िता नाबालिक लड़की संजीता कुमारी उम्र 15 वर्ष, पिता– स्व0 चन्दरू उराँव, पता– खोरा जामटोली, थाना+जिला– गुमला,(झारखण्ड) को बहला–फुसलाकर वर्ष 2018 में बेच देने के आरोप में कांड दर्ज कराया गया है, इस संबंध में अहतु थाना कांड सं0–03/20 दिनांक 06.02.20 दर्ज कर खोजबीन किया जा रहा हैं। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि उपरोक्त पीड़िता संजीता कुमारी उम्र 15 वर्ष, के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते है।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। – 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
4. थाना प्रभारी, अहतु – 8986604606

पुलिस अधीक्षक,
गुमला

PR 376766 Police Wireless Headquarter(26-27)#D

POLICE HELPLINE (EMERGENCY DIAL)-112 | CHILD HELPLINE-1098
WOMEN HELPLINE-1091 | DOMESTIC ABUSE HELPLINE-181
CYBER CRIME HELPLINE-1930 | AMBULANCE SERVICE-108

गोपाल मिश्रा आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित, मिला एकमत जनादेश

एजेंसी

नई दिल्लीः इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) ने गोपाल मिश्रा को एकमत रूप से अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया। यह निर्वाचन संघ के 27 राज्यों में से 14 राज्यों के निर्वाचक मंडल द्वारा किया गया। चुनाव परिणामों की घोषणा जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ दिल्ली (जेयूडी.) के कार्यालय, बी-35, निजामुद्दीन, नई दिल्ली में आईएफडब्ल्यूजे के संविधान की धारा 49 के तहत की गई।

गोपाल मिश्रा स्वर्गीय डॉ. के. विक्रम राव का स्थान लेंगे। डॉ. राव 11 पुस्तकों के लेखक थे। वेतन बोर्ड और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य के रूप में उन्होंने 27 राज्यों के पत्रकारों के लिए बेहतर वेतन और काम करने की शर्तें सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। 1975 के आपातकाल में प्रेस सेंसरशिप का विरोध करने के कारण उन्होंने 13 महीने जेल काटी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में विज्ञान भवन में उनके इस साहस का सम्मान किया था। डॉ. राव का 12 मई 2025 को निधन हो गया था। गोपाल मिश्रा का चुनाव संघ के सबसे प्रतिष्ठित नेता के निधन के बाद पहला नेतृत्व परिवर्तन है, जब आईएफडब्ल्यूजे भारत के समाचार कक्षों में आर्थिक संकट और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के बढ़ते व्यवधान का सामना कर रहा है।

यह चुनाव प्रक्रिया सितंबर 2025 में राजस्थान के जोधपुर में शुरू हुई थी। चुनावी पेपरों की जाँच कॉमरेड संतोष चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) मुख्य निर्वाचन अधिकारी, कॉमरेड सोमैया मामिदी (तेलंगाना) अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी और कॉमरेड मारूफ रजा (दिल्ली) अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा की गई।

आईएफडब्ल्यूजे के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल मिश्रा ने कहा कि आज काम करने वाले पत्रकारों के सामने दो बड़ी चुनौतियाँ हैं। पहली, पारंपरिक विज्ञापन और राजस्व के पुराने तरीके खत्म होने से पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता। दूसरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बढ़ता दखल जो हर समाचार कक्ष का स्वरूप बदल रहा है और पत्रकारिता के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। उन्होंने कहा कि संघ का पहला काम यह सुनिश्चित करना है कि बिना किसी बातचीत और उचित विकल्प के किसी पत्रकार की रोजी-रोटी किसी मशीन या एल्गोरिदम की वजह से न छीनी जाए। दूसरा काम यह है कि डिजिटल दौर में मेहनत की सही कीमत मिले, इसके लिए ठोस वेतन सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

घोषणा के अवसर पर उपस्थित आईएफडब्ल्यूजे के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों में उपाध्यक्ष उपेंद्र राठौड़, कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा, सचिव पी आनंदम, सचिव के विश्वदेव राव, राज्य अध्यक्ष सलमान खान (मध्य प्रदेश) तथा जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ दिल्ली के अन्य सदस्य शामिल थे।

इस मौके पर ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन (एआईआरएफ.) के महासचिव कॉमरेड शिवगोपाल मिश्रा भी उपस्थित थे। उन्होंने डॉ. विक्रम राव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और गोपाल मिश्रा को आईएफडब्ल्यूजे का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने कामना की कि गोपाल मिश्रा डॉ. राव के दिखाए रास्ते पर चलते हुए संघ को मजबूती दें।

गोपाल मिश्रा ने द टाइम्स ऑफ इंडिया और नेशनल हेराल्ड जैसे अखबारों में वरिष्ठ संपादकीय पदों पर काम किया है। उन्होंने भारत का पहला इंटरनेट समाचार पोर्टल शुरू किया। पायनियर एम्प्लॉइज यूनियन की स्थापना की, जिसे पूर्व राष्ट्रपति वीवी. गिरि ने मान्यता दी थी। साथ ही, वे दशकों से आईआईएमसी. में पढ़ा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आईएफडब्ल्यूजे की स्थापना 1950 में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुई थी। यह गुटनिरपेक्ष देशों में सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है। इसके 47 देशों में द्विपक्षीय संबंध हैं। यही वह संगठन है जिसके प्रयासों से 1956 में पत्रकारों के काम करने की शर्तों पर देश का पहला संसदीय कानून बना था। टेलीफोन पर बधाई देने वालों में उत्तर प्रदेश से हसीब सिद्दीकी (अध्यक्ष) एवं देवराज सिंह (महासचिव), बिहार से प्रमोद दत्त (अध्यक्ष) एवं सुधीर माधुकर (महासचिव), तमिलनाडु से सी. भूपति, झारखंड से भरत भूषण (अध्यक्ष) एवं दीपक कुमार, असम से नमिता बोरा, कर्नाटक से शांता कुमारी (अध्यक्ष) एवं नारायण वैद्य (सचिव), महाराष्ट्र से ओम प्रकाश सिंह (अध्यक्ष) एवं मुकेश कुमार, तेलंगाना से पी. आनंदम, त्रिपुरा से बिजॉय पॉल (अध्यक्ष), पश्चिम बंगाल से अमित राय, उत्तराखंड से अरुण शर्मा (अध्यक्ष) एवं प्रयाग पांडे (महासचिव) तथा उत्तर प्रदेश से वरिष्ठ पत्रकार प्रेम कांत तिवारी और नितिन श्रीवास्तव शामिल हैं।

समाहरणालय हजारीबाग (बाल संरक्षण शाखा)

- विज्ञापन -

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार, रॉंची की अधिसूचना संख्या–2685 दिनांक–24.10.2024 के आलोक में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (POCSO) एवं नियम 2020 के अंतर्गत सहायक व्यक्तियों (Support Person) के पैनल के निर्माण के उद्देश्य से आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम 2012 बाल लैंगिक शोषण से संबंधित मामलों से निपटने के लिए एक विशेष अधिनियम है जो 18 वर्ष से कम आयु के बालक/बालिका को लैंगिक शोषण, हिंसा और पॉर्नोग्राफी से बचाने के लिए कानूनी प्रावधान प्रदान करता है। इस अधिनियम के अंतर्गत **सहायक व्यक्ति** के द्वारा पीड़ित को कानुनी/विधिक प्रक्रिया सहित प्रत्येक स्तर पर बाल सुलभ वातावरण उपलब्ध कराने, मुआवजा योजना के अंतर्गत मुआवजा उपलब्ध कराने तथा पीड़ित के सर्वोत्तम हित, मान–सम्मान, भेदभाव रहित सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किये जाने का प्रावधान है। उक्त पदों पर अर्हताधारी इच्छुक आवेदक विहित प्रपत्र में आवेदन निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट से निम्न पते पर समर्पित करेंगे–

सेवा में,
सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला बाल संरक्षण कार्यालय, तृतीय तल्ला, कमरा संख्या–305 (A) समाहरणालय, हजारीबाग, पिन–825301

नोट– अन्य माध्यमों से आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

1. सहायक व्यक्तियों के पैनल के निर्माण हेतु पात्रता की विवरणी –

क्र0	पदनाम	पारिश्रमिक राशि	शैक्षणिक योग्यता एवं कार्यानुभव	आयु
1	सहायक व्यक्ति (Support Person)	अधिकतम प्रति केस 5000/– रु. मात्र।	(क) शैक्षणिक योग्यता– 1. कला/वाणिज्य/विज्ञान/विधि/मनोविज्ञान/सामाजिक कार्य/बाल मनोविज्ञान/स्थानीय भाषा में स्नातकोत्तर की उपाधि या किसी भी संकाय में स्नातक की उपाधि एवं संबंधित क्षेत्र में कम से कम दो वर्ष का कार्यानुभव। 2. भारत का नागरिक होना चाहिए। (ख) कार्यानुभव :– 1. बाल अधिकार/बाल संरक्षण/विधिक कार्य/सामाजिक कार्य/बाल मनोविज्ञान/परामर्शदाता/समाजशास्त्र /मनोविज्ञान के क्षेत्र में कम से कम दो वर्ष का वांछनीय कार्यानुभव अथवा, 2. DLSA/JHALSA/DCPU/CWC/JJB/POCSO/ न्यायालय में कम से कम एक वर्ष का वांछनीय कार्यानुभव	न्युनतम 35 वर्ष एवं अधिकतम 60 वर्ष (आयु की गणना विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से की जाएगी)

2. चयन प्रक्रिया– अभ्यर्थियों का चयन योग्यता, अनुभव एवं साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। साक्षात्कार की तिथि, समय एवं स्थान की सूचना जिले के वेबसाईट– www.hazaribag.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी।
3. कंडिका–01 में वर्णित सहायक व्यक्तियों (Support Person) का निर्धारित पारिश्रमिक राशि, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता/अन्य योग्यताएँ, कार्यानुभव, आयु सीमा के अतिरिक्त नियुक्ति की शर्तें, नियुक्ति की प्रक्रिया, चयन का मानदण्ड, आवेदन पत्र इत्यादि की विस्तृत जानकारी हजारीबाग के आधिकारिक Website- www.hazaribag.nic.in पर देखा जा सकता है। अभ्यर्थियों द्वारा विहित प्रपत्र में आवेदन समर्पित किये जाने की अन्तिम तिथि 16/04/2026 है। आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि के पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएगें।

ह0/– उपायुक्त, हजारीबाग।

PR.NO.376769 Women, Child Development & Social Security(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

देश में गिरता शिक्षा का स्तर

अभी मेडिकल पीजी में शून्य (0) पर्सेंटाइल पर प्रवेश का मुद्दा पुराना भी नहीं हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम ने देश की शिक्षा के हालातों के पोल खोलकर ही रख दी है। शिक्षा के मंदिर में बच्चों को पढ़ाने के लिए लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में राजनीति विज्ञान के लेक्चरर के पद के लिए हजारों युवाओं ने परीक्षा दी और 225 पद होने के बावजूद केवल छह परीक्षार्थी चयन के योग्य पाये गये। मजे की बात है कि परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं में मात्र 219 युवा भी न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पाए। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिजिकल एजुकेशन के 37 पदों के लिए एक भी नहीं और होम साइंस जैसे विषय के लेक्चरर के पद के लिए केवल एक परीक्षार्थी ही सफल हो सका। अब एक ओर देश में प्रतिपक्ष बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से उठा रहा है तो तो दूसरी और भर्ती वाले पदों के लिए न्यूनतम अहर्ता अंक प्राप्त करने में भी आज के युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं।

यह कोई राजस्थान की ही बात नहीं है अपितु यह समूचे देश की शिक्षा के स्तर की बानगी है। क्योंकि निश्चित रुप से राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अन्य प्रदेशों के युवा भी परीक्षार्थी रहे होंगे। बेरोजगारी की समस्या अपनी जगह पर है पर दूसरी ओर स्नातक, स्नातकोत्तर और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के ज्ञान के स्तर को इससे आंका जा सकता है। यही कारण है कि आज मल्टी टास्क सर्विस जिसे परंपरागत शब्दों में कहा जाए तो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद या शहरी निकायों में सफाई कर्मचारी के कुछ पदों के लिए ही हजारों लाखों युवा आवेदन करने लगे हैं और तस्वीर का एक पहलू यह है कि इन युवाओं में उच्च और तकनीकी शिक्षा यहां तक की इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए तक आवेदन कर रहे हैं।

यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवाओं ने निश्चित रूप से राजनीति विज्ञान की उच्च पढ़ाई की होगी। उनका न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना चिंताजनक है। वैसे देखा जाए तो 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चयनित होने वाले स्कूल लेक्चरर से आप बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपेक्षा करेंगे तो बेमानी होगी। हालात वास्तव में गंभीर है और यही कारण है कि नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं में नकल, गलत प्रयोग और पेपर आउट व डमी कैंडिडेट द्वारा परीक्षाएं देने के लिए माफिया की बन पड़ी है। मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश में शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है। इसे अच्छा भी माना जा सकता है पर सौ टके का सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के माध्यम ही बन कर रह गए हैं। राजनीति विज्ञान तो उदाहरण मात्र है, सवाल यह है कि परीक्षा देने वाले हजारों प्रतियोगियों ने किसी एक संस्थान से तो डिग्री प्राप्त की नहीं होगी। यह सोचने का वक्त है कि आखिर हम जा कहां रहे हैं। शिक्षण संस्थानों की स्तरीयता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह से कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों की बाढ़ आई हुई है उसके परिणाम भी इन परिणामों में कहीं दूर-दूर तक लक्षित नहीं हो रहे। सरकार और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी अध्ययन की वैश्विक पहचान बनाना सरकार और अध्ययन केन्द्रों की पहली और अंतिम प्राथमिकता होनी चाहिए, पर यहां तो स्थानीय स्तर पर ही खरे नहीं उतर पा रहे हैं। कल्पना कीजिए कि जीरो पर्सेंटाइल वालों को विशेषज्ञ बनाकर इलाज का लाइसेंस देंगे तो इसे आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ और शिक्षा पद्धति के साथ मजाक बनाना ही है। सरकार और आयोग को समय रहते शिक्षा के स्तर को बनाए रखने की पहल करनी होगी। से देश की शिक्षा की गुणवत्ता देश दुनिया में बनी रह सकेगी। सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को खासतौर से आगे आना होगा।

भय से विश्वास तक: एक युगांतकारी परिवर्तन

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने सॉफ्ट टारगेट्स की तलाश शुरू की- ऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जनजागरूकता कम हो।

बृजमोहन अग्रवाल

दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुँच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है। नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया- इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने ह्लसॉफ्ट टारगेट्सह्व की तलाश शुरू की- ऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित ह्लरेड कॉरिडोरह्व विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित ह्लजन अदालतोंह्व के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया।

छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएँ, तेंदूपत्ता व्यापार- सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी। यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी।

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।

दुर्भाग्य से, कांग्रेस नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई।

उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियाँ भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं। इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई।

1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया।वर्ष 2003 से 2006 के बीच जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला, तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस, नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। ह्लज्वाइंट एफर्ट, ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसीह्व के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए। तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएँ हुई थीं। उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विधानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया, ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तात्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरूआत हुई।

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया।

जनजातीय समाज को यह समझाया गया कि नक्सल नेतृत्व में स्थानीय छत्तीसगढ़ी आदिवासियों की भागीदारी शून्य है। जल, जंगल, जमीन के नारों की आड़ में हमारे भोले-भाले आदिवासियों का उपयोग केवल एक साधन के रूप में किया जा रहा था। यह भी सामने आया कि नक्सलियों के द्वारा आदिवासी युवतियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था, उन्हें शोषण का शिकार बनाया जाता था, उन्हें विवाह तक नहीं करने दिया जाता और सामान्य सामाजिक जीवन जीने तक से वंचित रखा जाता था। इन कड़वी सच्चाइयों के उजागर होने से आई जनजागृति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद को मिलने वाला सामाजिक समर्थन कमजोर पड़ने लगा।

(लेखक, छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री एवं वर्तमान में रायपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं।)

घुमंतू समाज की पहचान का आधार बनेगी जनगणना

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं, जिन्हें आज तक ठीक से गिना ही नहीं गया—न आंकड़ों में, ना नीतियों में, और ना ही संवेदनाओं में। ये वे लोग हैं, जिन्हें कभी अंग्रेजों ने "जन्मजात अपराधी" घोषित कर दिया था और आजादी के 78 साल बाद भी जिनकी पहचान उसी कलंक के बोझ तले दबी हुई है। यह विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां हैं। यह आज भी भारत के विकास के नक्शे में अदृश्य बनी हुई हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का एक सुनहरा अवसर है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम इन समुदायों के जीवन पर एक अमिट दाग बनकर चिपक गया। इस कानून ने उन्हें जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनके जीवन का हर पहलू संदेह और निगरानी के घेरे में आ गया। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की एक संगठित व्यवस्था थी। स्वतंत्रता के बाद 1952 में इस अधिनियम को समाप्त कर इन समुदायों को ह्लविमुक्तह्व तो कर दिया गया, लेकिन समाज की मानसिकता आज भी उस औपनिवेशिक सोच से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप, ये समुदाय आज भी पुलिस के संदेह, सामाजिक तिरस्कार और सरकारी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहने के कारण स्कूलों में नामांकन और निरंतरता दोनों ही मुश्किल हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, इन समुदायों में ड्रॉपआउट दर अत्यधिक है और साक्षरता का स्तर बेहद निम्न। शिक्षा से वंचित रहना केवल एक व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल देना है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के कारण ये लोग कुपोषण, संक्रमण और अन्य बीमारियों से जूझते रहते हैं। सरकारी अस्पतालों तक पहुंच की कमी और जागरूकता का अभाव उनकी समस्याओं को और गंभीर बना देता है।

इन सबके बीच सबसे ज्यादा कठिनाई महिलाओं को झेलनी पड़ती है। एक ओर वे सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन से जूझती हैं, तो दूसरी ओर लैंगिक भेदभाव और असुरक्षा की मार भी सहती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने के कारण उनकी स्थिति और भी कमजोर हो जाती है। कई मामलों में वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी दूर रहती हैं, जिससे उनकी आवाज नीति-निर्माण तक पहुंच ही नहीं पाती। नीतिगत स्तर पर भी इन समुदायों के साथ लंबे समय तक न्याय नहीं हो पाया है। 2019 में विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन और सीड जैसी योजनाएं शुरू करना सकारात्मक कदम जरूर हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। बजट की कमी, कमजोर कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति इन योजनाओं को प्रभावी बनने से रोकती है। सबसे महत्वपूर्ण समस्या यह है कि इन समुदायों के बारे में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। जब तक किसी समूह की वास्तविक संख्या, स्थिति और आवश्यकताओं का स्पष्ट आकलन नहीं होगा, तब तक उसके लिए प्रभावी नीतियां बनाना संभव नहीं है। यही वह बिंदु है, जहां 2027 की जनगणना एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। अगर इस जनगणना में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए अलग कॉलम और कोड शामिल किया जाता है, तो यह उनके अस्तित्व को औपचारिक मान्यता देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पहचान, सम्मान और अधिकारों की बहाली का प्रश्न है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। जाति जनगणना को लेकर पहले से ही राजनीतिक बहस जारी है और ऐसे में एक नई श्रेणी जोड़ना विवाद को और बढ़ा सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। अगर सरकार और समाज इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करें, तो इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिमाचल के चामुंडा देवी मंदिर का अद्भुत रहस्य, सपने में आकर मां ने खुद बताई थी जगह

हिमाचल प्रदेश में स्थित चामुंडा देवी मंदिर प्रमुख मंदिरों में से एक माना जाता है। चामुंडा देवी मंदिर पालमपुर से करीब 19 किमी दूर है। यह मंदिर अटूट आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा संगम है। चामुंडा देवी मंदिर से कई धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। एक अत्यंत प्रसिद्ध शक्तिपीठ है, जो माता चामुंडा को समर्पित है। यह स्थान प्राकृतिक सुंदरता से घिरा है। मां चामुंडा के दर्शन के लिए हर रोज हजारों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चामुंडा देवी मंदिर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

मंदिर की मुख्य खासियत

वहीं 16वीं शताब्दी में चामुंडा देवी का यह मंदिर बनाया गया था। यह मंदिर बनेर नदी के किनारे स्थित है और इसके पीछे धौलाधार पर्वतमाला की बर्फ से ढकी चोटियां बेहद खूबसूरत नजारा पेश करती हैं। इस मंदिर के पीछे एक प्राकृतिक गुफा भी है, जिसको शिव और शक्ति का निवास स्थान माना जाता है।

इस प्राकृतिक गुफा में नंदीकेश्वर महादेव का शिवलिंग है, जिसके दर्शन मात्र के भक्त दूर-दूर से आते हैं। इसलिए इस मंदिर को चामुंडा नंदीकेश्वर धाम के नाम से भी जाना जाता है। वहीं मंदिर के दोनों ओर भैरव जी और हनुमान जी की प्रतिमा बनी है। माना जाता है कि यह दोनों देवी चामुंडा के प्रतिनिधि हैं।

यहां नहीं था चामुंडा देवी का मंदिर

बता दें कि यह मंदिर धौलाधार पर्वत श्रृंखला पर 16 किमी ऊंची चढ़ाई पर था। जहां पहुंच पाना काफी मुश्किल था। भक्तों की इस मुश्किल को हल करने के लिए राजा और एक पुजारी ने देवी मां से प्रार्थना की कि वह मंदिर को आसानी से पहुंच सकने वाली जगह पर स्थापित किए जाने की अनुमति दें।

तब पंडित के सपने में देवी मां ने अपनी सहमति दी। उन्होंने पुजारी को वर्तमान स्थल पर खुदाई करके मूर्ति निकालने का निर्देश दिया। फिर पुजारी ने यह बात राजा को बताया। खुदाई किए जाने पर वहां देवी की मूर्ति मिली। लेकिन राजा के सिपाही इस मूर्ति को उठा न सके। जिसके बाद देवी पंडित के सपने में फिर से प्रकट हुईं और निर्देश दिया कि वह खुद जाकर उस मूर्ति की स्थापना करें। इस तरह से वर्तमान जगह पर चामुंडा मंदिर स्थापित हुआ।

पौराणिक कथा

माना जाता है कि हजारों साल पहले चण्ड और मुण्ड नामक दो शक्तिशाली राक्षस थे, जो इस क्षेत्र में आतंक मचा रहे थे। तब देवी ने काली रूप लेकर भीषण युद्ध में दोनों राक्षसों का वध कर दिया था। इसी वजह से देवी के इस स्वरूप को चामुंडा के नाम से पूजा जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

आम नागरिकों को मिल रही सुविधाओं का हो रहा है मूल्यांकन

साहिबगंज/उधवा : मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के तहत दक्षिण पलाशगाछी पंचायत का भौतिक सत्यापन दक्षिण पलाशगाछी पंचायत में मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय टीम द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। यह सत्यापन एसपीआरसी रांची के प्रतिनिधि मनीष झा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर टीम के साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक डीपीएम अभिजीत कुमार और पंचायत की मुखिया नफीसा खातून भी उपस्थित रहीं। टीम ने पंचायत सचिवालय, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र तथा विद्यालयों का निरीक्षण कर वहां संचालित योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं का गहन जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान टीम ने विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, साफ-सफाई व्यवस्था अभिलेख रिकॉर्ड संधारण एवं आम नागरिकों को मिल रही सुविधाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। कई स्थानों पर कार्य संतोषजनक पाए गए, जबकि कुछ बिंदुओं पर सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।मुखिया नफीसा खातून ने बताया कि पंचायत में सभी विकास कार्य पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ कराए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि टीम द्वारा दिए गए सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द लागू किया जाएगा।इस भौतिक सत्यापन से पंचायत के विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हुई है। जिससे भविष्य में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पंचायत के समग्र विकास को और गति मिलेगी।

मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : ब्राह्मदेव यादव

साहिबगंज : मजदूरी दर और कार्य परिस्थितियों को लेकर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के बैनर तले मजदूरों ने अपनी पांच सूत्री मांगो को लेकर जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष के नेतृत्व मे साहिबगंज जिला समाहरणालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया।धरना प्रदर्शन मे मुख्य अतिथि संघ के केंद्रीय महामंत्री राज कुमार यादब मुख्य रूप से मौजूद थे।धरना मे मजदूर अपनी मांगो के समर्थन मे नारे लगा रहे थे।वही केंद्रीय महामंत्री राज कुमार यादव ने आरोप लगाया कि मार्च माह से रेलवे रैक लोडिंग कार्य में प्रतिष्ठान द्वारा मनमाने तरीके से जेसीबी मशीन का उपयोग किया जा रहा है।जिससे उनकी रोजी-रोटी पर संकट उत्पन्न हो गया है।वर्तमान में मजदूरों को प्रति रैक 4100 रुपये मिलते हैं।जबकि कार्यस्थल को 5 फीट गड्ढा कर दिए जाने के कारण काम और अधिक कठिन हो गया है।पहले जहां एक बॉक्स को लोड करने में 5 मजदूर लगते थे।वहीं अब 10 मजदूरों की जरूरत पड़ रही है।इस स्थिति को देखते हुए मजदूरों ने प्रति वेगन 8000 रुपये मजदूरी निर्धारित करने की मांग की है।वही संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष ब्राह्मदेव यादव ने कहा कि श्रम कानूनों का पालन अनिवार्य है और मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।धरना के बाद मजदूरों ने उपायुक्त को मांग पत्र सौंपा और चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ,तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी ब्राह्मदेव यादव,मिथुन कुमार यादव,बास्की यादव भोला यादव,बिजली मंडल,छोटू मंडल,रंजीत चौधरी,प्रीतम चौधरी,राकेश उरांव,श्याम सिंह,शिव जतन मंडल,अनिल मंडल,पप्पू मंडल,मुन्ना यादव प्रमोद पासवान, रविंद्र मंडल,टुनटुन मंडल,पंकज मंडल,अंसार खान,इकरामुल अली,अब्दुल करीम जावेद अख्तर सहित कई लोग मौजूद थे।

बंगाली समाज हमेशा राष्ट्रवादी रहा है : पंकज घोष

साहिबगंज/मालदा : पश्चिम बंगाल में चुनाव की तारीखे जैसे जैसे नजदीक आ रही है सभी पाटीर्या अपनी पूरी ताकत झोक दी है।इस बार पश्चिम बंगाल मे भाजपा सरकार बनाने मे केंद्र से लेकर प्रदेश स्तर के नेताओं को प्रचार प्रसार मे लगा दिया है।वही झारखंड राज्य के राजमहल विधानसभा से सटे मानिकचक 49 विधानसभा क्षेत्र में झारखंड भाजपा युवा मोर्चा के आईटी के प्रदेश संयोजक एवं ऑल बंगाली समाज,साहिबगंज के जिला अध्यक्ष पंकज घोष मानिकचक विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गौर चंद मंडल को भारी मतो से जीत दिलाने में दिन रात लगे हुए है।वें मानिकचक 49 विधानसभा क्षेत्र में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में अपने कई बंगाली समुदाय के लोगो के साथ मानिकचक विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों मे जनसंपर्क अभियान चला रहे है।पंकज घोष कम दिनों के प्रवास में मानिकचक विधानसभा मे अपनी कार्यकुशलता से बंगाली युवाओं में काफी लोकप्रिय हो गए हैं।पंकज घोष मानिकचक विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गौर चंद मंडल को भारी मतो से जीतने में कड़ी मेहनत करते हुए सनातनी समाज के लोगों को एकजुट होने का आह्वान कर रहे हैं।भाजपा युवा मोर्चा द्वारा इन्हें बी एवं सी ग्रेड के बुथो पर काम करने की जिम्मेदारी मिली है जिसे वह बखूबी निभाते हुए जहां भी जा रहे हैं भाजपा को मजबूती प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं।

बोरियो विधायक धनंजय सोरेन के अनुशंसा पर पांच लोगों को मिला चेक

साहिबगंज/बोरिया:मुख्यमंत्री स्वास्थ्य चिकित्सा कोष से बोरियो विधायक धनंजय सोरेन के अनुशंसा पर पांच लोगों को मिला चेक जिसका प्रखंड कमेटी बोरियो के प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू प्रखंड सचिव गफ्फार अंसारी प्रखंड उपाध्यक्ष प्रखंड कोषाध्यक्ष निताई मंडल,जिला सोशल मीडिया सदस्य मो एजाज अंसारी,मो मुज्जफर अंसारी,शकील अहमद,सुरेश मरांडी,हेमलाल हेंब्रम,मनसा,मंजूर आलम,नजीर अंसारी,सफल हेंब्रम ने संयुक्त रूप से वितरण किया।

गंगा नदी के किनारे मिली महिला की लाश के मामले का खुलासा मुख्य आरोपी को गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने गंगा नदी के किनारे मिली महिला की लाश के मामले का खुलासा की है। मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार चाकू भी बरामद कर लिया है। राधानगर थाना परिसर में सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने मामले में पूरी जानकारी दी। घटनाक्रम के अनुसार, बीते 2 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 11:30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि पूर्वी प्राणपुर स्थित गंगा नदी के किनारे एक महिला का शव पानी में पड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और राधानगर थाना कांड संख्या 102/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता बीएनसी की धाराओं 103(1), 238(ए) और 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया। एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक, साहिबगंज के निर्देश पर राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी और गुप्त

सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए 5 अप्रैल 2026 को कांड के नामजद अभियुक्त राहुल शेख 25 वर्ष हाजी खुशरूद्दीन टोला पूर्वी उधवा दियारा को धर-दबोचा।पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी राहुल शेख ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल के समीप से ही हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया है। गिरफ्तारी और साक्ष्य संकलन के बाद पुलिस ने सोमवार को आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया । इस पूरे मामले के खुलासे में एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी के साथ पुलिस निरीक्षक राजमहल प्रभाग राजीव रंजन,राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, पु.अ.नि. जुमराती अंसारी, पंकज कुमार दुबे और अन्य पुलिस बल की मुख्य भूमिका रही।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल, साहिबगंज में 16 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोरों हेतु नियमित टीकाकरण सेवाओं का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय उप निदेशक, संथाल परगना, दुमका डॉ प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन, साहिबगंज, डॉ रामदेव पासवान, जिला आरसीएच पदाधिकारी , सदर अस्पताल के उपाधीक्षक, आरसीएच सहायक, वीसीसीएम, सीसीटी तथा विकास सहयोगी यूनिसेफ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्रीय उप निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि नियमित टीकाकरण सेवाओं को सुदृढ़ करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि 16 वर्ष तक के सभी पात्र लाभार्थियों को शत-प्रतिशत आच्छादित किया जा सके। उन्होंने कहा कि टीकाकरण एक प्रभावी जनस्वास्थ्य उपाय है, जो गंभीर बीमारियों से बचाव कर बच्चों एवं किशोरों के स्वास्थ्य में सुधार लाता है।उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को भी आवश्यक टीकाकरण सेवाएं प्रदान की जाएंगी तथा उनके नियमित प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित किए जाएंगे, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। गर्भावस्था का शीघ्र पंजीकरण, समय पर एएनसी जांच एवं सतत निगरानी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के महत्वपूर्ण अंग हैं।क्षेत्रीय उप निदेशक ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि वे निम्नलिखित सुनिश्चित करें, नियमित टीकाकरण का 100% लक्ष्य प्राप्त किया जाए,सत्रों की सुदृढ़ योजना एवं ड्रॉपआउट लाभार्थियों की पहचान कर उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए

गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एएनसी सेवाएं समय पर प्रदान की जाएं,सामुदायिक जागरूकता एवं सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए,साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि सभी पात्र गर्भवती महिलाएं एवं बच्चे सदर अस्पताल, साहिबगंज में आकर निःशुल्क एङ्गएनङ्गसी जांच एवं टीकाकरण सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।यह कार्यक्रम जिले में सार्वभौमिक टीकाकरण कवरेज प्राप्त करने एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

19 को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर साहिबगंज में शोभायात्रा का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के मारवाड़ी ब्राह्मण पंचायत भवन, चौक बाजार में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाने को लेकर श्री परशुराम अखाड़ा व पंचायत भवन समिति के सदस्यों के संयुक्त तत्वाधान में एक बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में आगामी 19 अप्रैल दिन रविवार को साहिबगंज में श्री हरि विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।साथ ही इस बार उस दिन सनातन शोभायात्रा निकालने पर उपस्थित लोगों ने अपनी सहमति दर्ज कराई।कार्यक्रम मे मारवाड़ी ब्राह्मण पंचायत भवन में भगवान परशुराम जी का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन अर्चन सुबह 8:30 बजे किया जाएगा। उसके उपरांत ध्वजारोहण होगा। शोभायात्रा की शुरूआत सुबह 9:30 बजे गांधी चौक से धर्मशाला होते हुए बाटा चौक,स्टेशन चौक,कॉलेज रोड, एसडीओ कोठी होते हुए ओझा टोली घाट,पुरानी साहिबगंज पहुंचेगी।वहां सामाजिक गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।ठक में मुख्य रूप से राजीव ओझा,उमेश ओझा,अंकित पाण्डेय, निवास मिश्रा, कृष्णा शर्मा, जगदीश शर्मा, भगवान शर्मा, रघुनाथ पारीक,रविकांत शर्मा, शंभू पाठक, डब्लू ओझा, मुकेश मिश्रा, परमानंद उपाध्याय, मनोज दुबे, अजीत झा,श्रवण शर्मा, उमेश शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भारतीय वायु सेवा ने चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता

देवघर : जिले में सोमवार को 10 एयरमेन सिलेक्शन सेंटर, बिहटा की 3 सदस्यीय टीम ने झारखंड के देवघर जिले का दौरा किया और युवाओं को भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने हेतु एक जागरूकता अभियान चलाया।

इसके अलावा दौरे के दौरान टीम ने मातृ मंदिर गर्ल्स स्कूल में छात्राओं के साथ संवाद किया, जहां भारतीय वायु सेना में उपलब्ध विभिन्न प्रवेश अवसरों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। इस सत्र में अग्निवीर वायु भर्ती प्रक्रिया के साथ-साथ अधिकारी पदों पर भर्ती की योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। छात्राओं को पात्रता मानदंड, शैक्षणिक योग्यता तथा एनडीए, सीडीएसई और एएफसीएटी जैसी परीक्षाओं की चयन प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। साथ ही छात्राओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और उनकी जानकारी का आकलन करने के उद्देश्य से भारतीय वायु सेना पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

महिला कल्याण एवं बाल संरक्षण योजनाओं पर प्रस्तावित कार्यशाला को लेकर डीसी ने की बैठक

संवाददाता

देवघर : महिला कल्याण एवं बाल संरक्षण योजनाओं पर प्रस्तावित कार्यशाला को लेकर जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उपायुक्त श्री लकड़ा ने जिले में प्रस्तावित 10 अप्रैल को महिला कल्याण एवं बाल संरक्षण योजनाओं पर प्रस्तावित कार्यशाला को लेकर रूपरेखा तैयार करना और जिले में महिला एवं बाल विकास की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही बैठक में उपायुक्त श्री लकड़ा ने मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन योजना, मुख्यमंत्री ल्कश्र/अक्कऱ पीड़ित राहत पेंशन योजना, स्वामीविवेकानंद निःशक्त स्वाबलंबन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, मिशन शक्ति, प्रधनमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विधवा सम्मना पेंशन योजना, डायन कुप्रथा उन्मूलन एवं पुनर्वास योजना, मिशन वात्सल्य (ङ्कॅ'ि ढ१ङ्क३ीू३ङ्कल्ल) और राष्ट्रीय पालना योजना (ठं३ङ्कल्लं' उश्ृीं रूीं) जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़ी महिलाओं और किशोरियों तक पारदर्शी तरीके से पहुँचना सुनिश्चित करें।

बैठक में उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा कि प्रस्तावित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले के प्रखंड स्तर के अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं और संबंधित हितधारकों को इन योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराना है, ताकि वे जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कर सकें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित विभागों, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस और समाज कल्याण को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया ताकि कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ लाभार्थियों को मिल सके। बैठक में जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, देवघर अशोक कुमार, ट्रैफिक डीएसपी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, डिसीपीयू, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

एलपीजी से चलने वाले ऑटो बंद, किश्त के लिये फाइनेंस कंपनी डाल रहे है दबाव

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : नगर एवं आस पास के क्षेत्र के ऑटो चालकों की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।एलपीजी गैस की आपूर्ति ठप होने से जहां उनके वाहन खड़े हो गए हैं।जिसका सीधा प्रभाव उनके रोजी-रोटी पर पड़ रहे है और पारिवारिक और आर्थिक संकट गहरा गया है।और दूसरी फाइनेंस दूसरी तरफ फिनेन्सकर्मी द्वारा ईएमआई को लेकर परेशान कर रहे है।इस समस्या को लेकर चालकों ने प्रशासन को आवेदन प्रेषित कर राहत की गुहार लगाई है।आवेदन के अनुसार,क्षेत्र के अधिकांश ऑटो एलपीजी से संचालित होते हैं,लेकिन गैस नहीं मिलने के कारण उनका संचालन पूरी तरह बंद हो गया है।इससे चालकों की आमदनी रुक गई है और वे अपने वाहन की किस्त भी समय पर जमा नहीं कर पा रहे हैं। परिवार के भरण-पोषण में भी कठिनाइयां बढ़ गई हैं।इसी समस्या को लेकर बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बजाज शोरूम के समीप जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए सैकड़ो ऑटो चालकों ने धरना-प्रदर्शन किया।ओर कुछ समय के लिए बरहरवा पाकुड़ मुख्य सड़क को जाम किया इस दौरान चालकों ने फाइनेंस कंपनियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया।उनका आरोप है।कि आय बंद होने के बावजूद फाइनेंस कंपनियां किस्त के लिए दबाव बना

रही हैं,जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और फाइनेंस कंपनियों को कुछ समय के लिए राहत देने का निर्देश दिया जाए।उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।मौके पर थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह एवं अंचल अधिकारी अनोज कुमार पहुंचे और प्रदर्शन कारियों को समझाकर सड़क जाम समाप्त करवाया। प्रशासन की ओर से बजाज शोरूम के संचालक से बातचीत कर यह आश्वासन दिया गया कि सभी ऑटो चालक अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर, नाम और मोबाइल नंबर के साथ एक लिखित आवेदन कंपनी के उच्च अधिकारियों के नाम देंगे।साथ ही यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगले तीन महीनों तक ईएम आई किस्त जमा करने के लिए किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जाएगा।प्रसाशन के इस सहयोग से टेम्पो चालको ने राहत की साँस ली हैं।

अप्रैल से अगली फिल्म की

शूटिंग शुरू करेंगे सलमान खान

'मातृभूमि' के बाद सलमान खान अब दिल राजू की फिल्म में नजर आएंगे। सलमान ने एक पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि की है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय से सोशल मीडिया पर सलमान की दिल राजू के साथ फिल्म को लेकर चर्चा हो रही थी। आज सलमान ने खुद अपने पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि कर दी है। इस फिल्म की शूटिंग सलमान इस साल अप्रैल से शुरू करेंगे।

किसके साथ अगली फिल्म करेंगे सलमान खान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ काम करने जा रहे हैं। अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। आगामी फिल्म के लिए सलमान निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे। इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर नि... के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है।

अल्लू अर्जुन की 25वीं फिल्म का ऐलान!

एक्टर अल्लू अर्जुन इन दिनों तमिल डायरेक्टर्स एटली और लोकेश कनगराज के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच उनकी 25वीं फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। इस समय अल्लू अर्जुन अपनी बड़ी फिल्म 22 में बिजी हैं, जिसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। इसके बाद उनकी फिल्म लोकेश कनगराज के साथ इस साल शुरू होने वाली है। इसी बीच उनकी 25वीं फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

बेसिल जोसेफ के साथ करेंगे काम

खबर आ रही है कि अल्लू अर्जुन अपनी 25वीं फिल्म के लिए मलयालम फिल्ममेकर और एक्टर बेसिल जोसेफ के साथ काम करने वाले हैं। इस फिल्म का टेंटेटिव नाम 25 बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसका आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रोजेक्ट अब लगभग पक्का हो चुका है। इस फिल्म को लेकर चर्चा तब और तेज हो गई जब बेसिल जोसेफ को अल्लू अर्जुन, एटली और लोकेश कनगराज के साथ एक इवेंट में देखा गया। यह इवेंट अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरीश की शादी के दौरान हुआ था। इसके बाद से ही ये खबरें आने लगीं कि बेसिल, अल्लू अर्जुन को डायरेक्ट करने वाले हैं, और अब कहा जा रहा है कि यह डील फाइनल हो चुकी है।

अल्लू और बेसिल जोसेफ के बारे में

...साथ काम करेंगे। केरल में उनका फैन फॉलोइंग पिछले 20 वर्षों से काफी मजबूत रही है। उनकी फिल्में जैसे 'आर्या', 'हैप्पी' और हाल ही में 'पुष्पा' ने उन्हें अलग-अलग जगहों पर और भी ज्यादा पॉपुलर बना दिया है। बेसिल जोसेफ अपनी फिल्म 'मिन्नल मुरली' के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म को लोकल स्टोरी के साथ नए आइडियाज की वजह से काफी सराहा गया था। इसे देश और विदेश दोनों जगह अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नई फिल्म अगले साल शुरू हो सकती है और इसे गीता आर्ट्स प्रोड्यूस करेगा, जिसे अल्लू अरविंद चलाते हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट और टीम के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं यह भी चर्चा है कि अपनी 23वीं फिल्म लोकेश कनगराज के साथ पूरी करने के बाद अल्लू अर्जुन डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के साथ भी काम कर सकते हैं।

रवीना टंडन की बेटी

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को... रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या बात अच्छी लगती है।

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकी राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।'

'टॉम्ब रेडर' के सेट पर

सोफी हुईं घायल

दो हफ्ते तक बंद रहेगी शूटिंग

हॉलीवुड अभिनेत्री सोफी टर्नर को नई सीरीज 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग के दौरान चोट लग गई है। फिलहाल, सीरीज की शूटिंग को रोक दिया गया है।

'टॉम्ब रेडर' में सोफी टर्नर प्रतिष्ठित किरदार लारा क्रॉफ्ट की भूमिका निभा रही हैं। इसकी शूटिंग के दौरान सोफी टर्नर को सेट पर चोट लग गई है। जिसके कारण फिल्म की शूटिंग को दो हफ्तों के लिए रोक दिया गया है।

'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग के दौरान लगी चोट

एंटरटेनमेंट वीकली के अनुसार, स्टूडियो ने बताया कि सोफी टर्नर को हाल ही में 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई है। उनकी सेहत का ध्यान रखते हुए 'टॉम्ब रेडर' की शूटिंग को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। शूटिंग करीब दो हफ्ते तक बंद रहेगी। लेकिन इस दौरान पूरे क्रू को उनका वेतन मिलता रहेगा।

संजना पांडेय की 'तुलसी विवाह' का ट्रेलर रिलीज

संजना पांडेय की नई भोजपुरी फिल्म 'तुलसी विवाह' के ट्रेलर ने रिलीज होते ही गर्दा उड़ा दिया है और यूट्यूब पर नंबर 4 पर ट्रेंड कर रहा है। कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसकी बीमारी का राज उसकी शादी के बाद खुलता है। ससुरालवाले ताना मारते हैं और छोड़ देते हैं, पर पति उसका सहारा बनता है। भोजपुरी फिल्मों की स्टार संजना पांडेय की नई फिल्म 'तुलसी विवाह' का ट्रेलर हाल ही रिलीज हुआ और चर्चा में आ गया। कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसकी शादी हो जाती है, पर शादी के बाद उसकी गंभीर बीमारी का राज सबके सामने आता है, तो पैरों तले जमीन खिसक जाती है। लड़की को कैंसर होने की बात सामने आती है, जिस पर ससुरालवाले उसे ताने मारते हैं और घर से निकाल देते हैं। पर पति उसका सहारा बनता है और कैंसर से जंग में उसके साथ मैदान में उतरता है। 'तुलसी विवाह' का ट्रेलर 28 मार्च को रिलीज हुआ था और अभी यूट्यूब पर चौथे नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। फिल्म की कहानी एकदम झकझोरने वाली है और संजना पांडेय भी तुलसी के रोल में छा गई हैं।

कुब्रा सैत की सलाह

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए, खुद को अपनाइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है। साथ ही इस पर कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला। फिलहाल अपनी मेहनत और लगन से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा कहती हैं कि उन्हें अपने काम से उम्मीद से ज्यादा मिला है और इसके लिए वह बेहद शुक्रगुजार हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले कोलंबिया को राहत: जेम्स रोड्रिगेज ट्रेनिंग पर लौटे

एजेंसी

लॉस एंजेलिस/मिनेसोटा : कोलंबिया के स्टार फुटबॉलर जेम्स रोड्रिगेज से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। गंभीर डिहाइड्रेशन के चलते अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वह अब अपने क्लब मिनेसोटा यूनाइटेड के साथ ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। 34 वर्षीय रोड्रिगेज पिछले सप्ताह तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। उन्हें 29 मार्च को फ्रांस के खिलाफ खेले गए मैच के बाद तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां जांच में गंभीर डिहाइड्रेशन की पुष्टि हुई। शुरूआत में अमेरिकी मीडिया में उनकी स्थिति को लेकर गंभीर बीमारी (रैबडोमायोलिसिस) की आशंका जताई गई थी, लेकिन मिनेसोटा यूनाइटेड ने इन खबरों का खंडन किया। क्लब ने स्पष्ट किया कि मेडिकल जांच में ऐसी किसी गंभीर बीमारी के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। क्लब के अनुसार, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रोड्रिगेज घर पर आराम कर रहे थे और अब उन्होंने ह्लनियंत्रित ट्रेनिंग सत्रह्व के साथ मैदान पर वापसी की है। उनकी पूर्ण रूप से टीम ट्रेनिंग में वापसी क्लब के मेडिकल स्टाफ की निगरानी और उनकी शारीरिक स्थिति के अनुसार होगी।

गौरतलब है कि जेम्स रोड्रिगेज फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबिया टीम के अहम खिलाड़ी हैं। ऐसे में उनकी फिटनेस टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: सोफी स्टेडियम के कर्मचारियों की चेतावनी, मांगें न मानी गईं तो हड़ताल संभव

एजेंसी

लॉस एंजेलिस : फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले लॉस एंजेलिस स्थित सोफी स्टेडियम में काम करने वाले करीब 2,000 फूड सर्विस कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनियन ने बड़ा कदम उठाया है। यूनियन ने मांग की है कि टूर्नामेंट के दौरान अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) को वर्ल्ड कप संचालन से दूर रखा जाए, अन्यथा कर्मचारी हड़ताल पर जा सकते हैं। यूनाइट हियर लोकल 11, जो इस स्टेडियम में कुक, सर्वर और बारटेंडर का प्रतिनिधित्व करता है, ने सोमवार को कहा कि वर्ल्ड कप नजदीक आने के बावजूद कर्मचारियों के पास अब तक कोई श्रम अनुबंध नहीं है। यूनियन ने फीफा और स्टेडियम के मालिक क्रोंके स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के सामने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें आईसीई और बॉर्डर पेट्रोल की किसी भी भूमिका को लेकर सार्वजनिक आश्वासन, यूनियन कर्मचारियों की नौकरी और कार्य परिस्थितियों की सुरक्षा, तथा हॉस्पिटैलिटी कर्मचारियों के लिए किफायती आवास का समर्थन शामिल है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के कार्यवाहक निदेशक टॉड लायंस ने हाल ही में कहा था कि वर्ल्ड कप में आईसीई ह्लमहत्वपूर्ण भूमिकाह्व निभाएगा। इस बयान पर यूनियन ने चिंता जताते हुए कहा कि इससे लॉस एंजेलिस में कामगारों और दर्शकों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

इस मुद्दे पर फीफा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जबकि सोफी स्टेडियम प्रबंधन ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यूनियन ने यह भी मांग की है कि टूर्नामेंट के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन का उपयोग कर कर्मचारियों की नौकरियां समाप्त न की जाएं। इसके अलावा यूनियन ने लॉस एंजेलिस, विशेषकर इंग्लवुड क्षेत्र में बढ़ती आवास लागत को लेकर भी चिंता जताई है और वर्कफोर्स हाउसिंग फंड, शॉर्ट-टर्म रेंटल पर नियंत्रण तथा किफायती आवास और प्रवासी परिवारों की सुरक्षा के लिए कर उपायों की मांग की है। यूनियन के सह-अध्यक्ष कर्ट पीटरसन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि फीफा और उसके कॉर्पोरेट प्रायोजक इस आयोजन से अरबों डॉलर कमाएंगे, लेकिन आयोजन को सफल बनाने वाले कर्मचारियों की अनदेखी कर रहे हैं।

यूनियन का कहना है कि लॉस एंजेलिस को मेजबान शहर चुने जाने के बाद से वह फीफा से कई बार बैठक की मांग कर चुका है, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई।

गौरतलब है कि लॉस एंजेलिस में सोफी स्टेडियम पर वर्ल्ड कप के आठ मैच खेले जाने हैं, जिनमें पहला मुकाबला 12 जून को अमेरिका और पैराग्वे के बीच होगा।

आगरा -मुख्यमंत्री योगी प्रदेश की सबसे बड़ी टाउनशिप योजना का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

आगरा : मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा में शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आगरा विकास प्राधिकरण की प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी टाउनशिप योजना 'ग्रेटर आगरा योजना' का शिलान्यास करेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वृंदावन में पवन हंस हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा सीधे आगरा में एत्मादपुर के कुबेरपुर क्षेत्र स्थित रायपुर रहनकलाँ शिलान्यास स्थल के निकट बनाए गए हेलीपैड पर पहुंचेंगे और वहां आधुनिक सुविधा युक्त 10 टाउनशिप योजना का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करेंगे। टाउनशिप के अलावा जनपद की 324 विभिन्न परियोजनाओं का भी शिलान्यास एवं लोकार्पण भी मुख्यमंत्री करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी करीब 4:30 बजे सांय हेलीकॉप्टर से रायपुर रहनकला कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री टाउनशिप के मॉडल का अवलोकन करने के साथ-साथ एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम से पहले दोपहर करीब 2:15 बजे लखनऊ से वायुयान द्वारा आगरा खेरिया सिविल एयरपोर्ट पर आएंगे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा वृंदावन के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। वृंदावन में जगतगुरु मलूक दास जयंती कार्यक्रम में भाग लेने के बाद हेलीकॉप्टर से आगरा में सीधे शिलान्यास स्थल रायपुर/ रहनकलां

शाम 4:30 बजे पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री आज शहरी विस्तारीकरण/ नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा 5,142 करोड़ से आगरा के एत्मादपुर क्षेत्र के अंतर्गत कुबेरपुर स्थित रायपुर रहन कलां में आधुनिक सुविधा युक्त 10 टाउनशिप की नींव रखेंगे।यह प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी टाउनशिप योजना है। 449.65 हेक्टेयर भूमि पर 10 टाउनशिप का विकास किया जाएगा जिनका नामकरण देश की 10 प्रमुख नदियों के नाम पर किया गया है। टाउनशिप के अंतर्गत 4712 भूखंड निर्मित किए जाएंगे जिनमें ईडब्ल्यूएस, एल आई जी,एम आई जी और एचआईजी श्रेणियों के कुल 4391 आवासीय, 40 ग्रुप हाउसिंग, 160 मिश्रित एवं 121 अनावासीय भूखंड सम्मिलित हैं। इस योजना से 1.50 लाख लोगों के लिए आधुनिक सुविधायुक्त आवासीय व्यवस्था सुलभ होगी। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्मौली ने बताया कि ग्रेटर आगरा प्रोजेक्ट के अंतर्गत 449.65 हेक्टेयर भूमि पर 10 टाउनशिप का विकास किया जाएगा। अभी तक इस आवासीय योजनाओं में भूमि दर तय नहीं की गई है। आगामी दिनों में एडीए की बैठक में यह भूमि दर तय कर ली जाएगी और लगभग एक महीने बाद इन भूखंडों की बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए)द्वारा टाउनशिप में जो 10 टाउनशिप बनाए जा रहे हैं उनके नाम गंगापुरम, नर्मदा पुरम, गोमतीपुरम, यमुनापुरम, कृष्णापुरम, सिंधुपुरम, बेतवा पुरम, महानदीपुरम,गोदावरीपुरम, कावेरीपुरम रखे गए हैं। ए डी ए पहले चरण में नर्मदा पुरम, गंगापुरम और महानदीपुरम को लांच करेगा। टाउनशिप के शिलान्यास के साथ-साथ मुख्यमंत्री 1324 करोड़ से ज्यादा की जनपद की विभिन्न 324 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे।

राजस्थान में बारिश–ओलावृष्टि से ठंडक, 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

जयपुर : प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। नए मौसमी तंत्र के सक्रिय होते ही राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों सहित कई हिस्सों में मंगलवार सुबह से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। कहीं तेज गर्जना के साथ बिजली चमकी तो कहीं चने के आकार के ओले भी गिरे, जिससे तापमान में गिरावट आ गई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर सहित कई जिलों में मंगलवार सुबह से ही मौसम बदला हुआ नजर आया। जैसलमेर के चांधन क्षेत्र में तेज बारिश हुई। बीकानेर में रात से बादल गरजने के बाद सुबह बारिश शुरू हुई। श्रीगंगानगर में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी और बिजली चमकी। वहीं नागौर जिले के कई इलाकों में चने के आकार के ओले गिरने की सूचना है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। राजधानी जयपुर में भी

सुबह से ठंडी हवा चल रही हैं और कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम केंद्र जयपुर ने प्रदेश के 17 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार आठ अप्रैल तक इस सिस्टम का असर बना रहेगा, जबकि नौ अप्रैल से मौसम साफ होने की संभावना है। बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी को देखते हुए नागौर और मेड़ता मंडियों में अवकाश घोषित किया गया है। लगातार खराब मौसम के कारण कृषि कार्य और फसल बिक्री पर भी असर पड़ रहा है। जहां एक ओर आमजन को गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर किसानों की चिंता बढ़ गई है। पहले से ही बेमौसम बारिश से जूझ रहे किसान फिर संकट में है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस बार बार-बार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण गर्मी पूरी तरह नहीं पड़ पा रही है। इससे मानसून कमजोर रहने की आशंका जताई जा रही है। जुलाई-अगस्त में अल-नीनो सक्रिय होने की संभावना 60झ80% तक बताई गई है।

बीएचयू के दृश्य कला संकाय में 'नवसर्जना' कला प्रदर्शनी,30 युवा कलाकारों की प्रतिभा का संगम

✔ अहिवासी कला वीथिका में कला प्रेमी व छात्र दृश्य चित्रों में प्रकाश और छाया के जादुई खेल से हुए प्रभावित

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय के बी.एफ.ए. प्रथम वर्ष के 30 छात्र-छात्राओं की अपनी मौलिक कलाकृतियों की प्रदर्शनी 'नवसर्जना' को साथी छात्रों के साथ कला प्रेमी भी सराह रहे है। संकाय के अहिवासी कला वीथिका में प्रदर्शित ये कलाकृतियां विद्यार्थियों ने अपने नियमित शैक्षणिक कार्यों और असाइनमेंट के अतिरिक्त समय निकालकर सृजित की हैं। प्रदर्शनी के संयोजक डॉ. सुरेश चंद्र जांगिड़ ने मंगलवार को बताया कि 'नवसृजना' का उद्देश्य नवागंतुक छात्र-कलाकारों की रचनात्मकता और जलरंग के माध्यम से उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति को एक मंच प्रदान करना है ।यद्यपि यह इन विद्यार्थियों के

लिए सीखने और नए कौशल को निखारने का समय है, फिर भी उन्होंने कला निर्माण के तकनीकी पहलुओं में अपनी गहरी समझ और सक्षमता का परिचय दिया है। अधिकांश छात्र विशेष रूप से दृश्य चित्रों में प्रकाश और छाया के जादुई खेल से प्रभावित दिखे। वहीं, कुछ छात्रों ने भारत कला भवन संग्रहालय की प्राचीन मूर्तियों के सूक्ष्म विवरणों को अपनी कला के माध्यम से उकेरा है। अनुपम शर्मा ने व्यक्ति चित्रण के माध्यम से मानवीय भावनाओं और मूड को बखूबी दशार्या है। वहीं, निरुपम रॉय ने वॉटरकलर लैंडस्केप में सूक्ष्म विवरणों को बड़ी बारीकी से तराशा है। नम्रता पाल ने 'एंटीक स्टडी' के माध्यम से प्राचीनता के प्रति अपना रुझान दिखाया है। इस प्रदर्शनी में अंजलि गुप्ता, शौविक, सुमित, पीयूष, सतीश, अंजलि विश्वकर्मा, सूरज, शिवा जी, अंकिता, कीर्ति, तनु, श्रेया, आलोक, साक्षी, पूजा, शिवराज, सोनू, अंजलि यादव, आर्यन, प्रिवेश, प्रगति, सपना, चांदोसाकी, कंचन, अंकित, रवि और हर्ष जैसे प्रतिभावान छात्र शामिल हैं। डॉ सुरेश ने बताया कि तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन बीते सोमवार को कला इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति रोहिल्ला राणा और भारत कला भवन के उप-निदेशक डॉ. निशांत और दृश्य कला संकाय की संकाय प्रमुख प्रो. उत्तमा दीक्षित ने किया था। आठ अप्रैल बुधवार तक प्रदर्शनी का अवलोकन कला प्रेमी पूर्वाह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच अहिवासी कला वीथिका में कर सकते है।

नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल मॉरीशस के दौरे पर जाएंगे, भारतीय विदेशमंत्री से भी होगी मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू:नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल मॉरीशस की यात्रा पर जाने वाले हैं। वह 10 अप्रैल को मॉरीशस में इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में होने वाले हिंद महासागर सम्मेलन (इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस) में भाग लेने के लिए गुरुवार को प्रस्थान करेंगे। विदेशमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला विदेश दौरा होगा।

यह सम्मेलन मॉरीशस सरकार और भारत के विदेश मंत्रालय के सहयोग से नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य विषय ह्लहिंद महासागर के सुशासन के लिए सामूहिक जिम्मेदारीह्व रखा गया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोकबहादुर क्षेत्री ने जानकारी दी कि मंत्री खनाल सम्मेलन में भाग लेने के लिए मॉरीशस जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर सहित विभिन्न देशों के विदेशमंत्री और उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि नेपाल के विदेशमंत्री खनाल सम्मेलन के दौरान अपने भारतीय समकक्ष डॉ. एस. जयशंकर के साथ ह्यसाइडलाइनह्ण बैठक भी करेंगे। इसके अलावा अन्य देशों के नेताओं के साथ भी उनकी द्विपक्षीय मुलाकातें तय हैं। सम्मेलन में खलिलुर रहमान (बांग्लादेश), विजिथा हेराथ (श्रीलंका), डीएन ढुंगेल (भूटान), बद्र हमाद अल बुसैदी (ओमान) और बैरी फाउर (सेशेल्स) समेत कई देशों के विदेश मंत्री संबोधित करेंगे। इसके अलावा कंबोडिया, मिस्र, मेडागास्कर, सऊदी अरब, सिंगापुर, थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम के अधिकारी भी इसमें भाग लेंगे। इंडिया फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2016 से इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है और इसमें नेपाल की नियमित भागीदारी रही है। पिछले वर्ष फरवरी में मस्कट में आयोजित आठवें सम्मेलन में तत्कालीन विदेशमंत्री आरजु राणा देउवा ने हिस्सा लिया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देना, समुद्री व्यापार को सुदृढ़ करना, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटना और समुद्री संसाधनों के संरक्षण के लिए संयुक्त रणनीति तैयार करना है। इंडिया फाउंडेशन के अनुसार, पिछले आठ वर्षों में यह सम्मेलन हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के लिए साझा मुद्दों पर विचार-विमर्श का एक प्रमुख मंच बन चुका है। यह सम्मेलन क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास के लिए सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करने हेतु साझेदार देशों को एक साझा मंच पर लाने का कार्य करता रहा है।

ग्वालियर के सुनियोजित विकास व औद्योगिक समृद्धि के लिए सरकार कटिबद्ध : ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार ग्वालियर शहर के सुनियोजित विकास के लिये कटिबद्ध है। दोनों सरकारों के साझा सहयोग से ग्वालियर को विकसित एवं औद्योगिक रूप से समृद्ध शहर बनाएंगे। यह बात केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को मध्य प्रदेश के गवालियर में हुई ग्वालियर शहर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के विकास में बड़े आयाम के रूप में जुड़ने जा रहे विकास कार्यों को सरकार की मंशा के अनुरूप जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिये मासिक फ्लोचार्ट तैयार करें। प्रत्येक प्रोजेक्ट के हर कार्य के पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित हो।

बैठक में ग्वालियर शहर में निमार्णाधीन एलीवेटेड रोड के दोनों चरण, ग्रीन फील्ड आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न बायपास, रेलवे स्टेशन का उन्नयनीकरण, चंबल पेयजल प्रोजेक्ट सहित शहर की पेयजल व सीवर व्यवस्था, शहर की सड़कों की मरम्मत, महाराज बाड़ा पर निमार्णाधीन मल्टीलेवल पार्किंग, औद्योगिक संग्रहालय, जौरासी में निमार्णाधीन अम्बेडकर धाम व जेएएच अंडरपास सहित शहर के अन्य विकास कार्यों की समीक्षा की गई।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी जंग को रोकने के लिए सोमवार को आए दो शांति प्रस्तावों की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स

इंडस्ट्रियल एवरेज 165.21 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,669.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,611.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 117.16 अंक यानी 0.54 प्रतिशत उछल कर 21,996.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, ईरान द्वारा युद्ध रोकने के दोनों प्रस्तावों को खारिज कर दिए जाने की वजह से आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,601.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में आज कोई उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

गिफ्ट निफ्टी 152.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,848.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,958.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 64.68 अंक यानी 0.12 प्रतिशत फिसल कर 53,349 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,462.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 1,458 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में आज अच्छी तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 485.02 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,057.45 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,019.08 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 3,881.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

चुनाव 26 : नारायणगढ़ में माकपा प्रत्याशी तापस सिन्हा ने किया विकास के वादे

पश्चिम मेदिनीपुर : नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बामपंथी लड़ाई में माकपा प्रत्याशी तापस सिन्हा ने विकास के कई बड़े वादे किए हैं। सोमवार चुनावी प्रचार समाप्त कर रात करीब नौ बजे बेलदा पार्टी कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने इलाके की पुरानी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों पर निशाना साधा। तापस सिन्हा ने आधुनिक बुनियादी ढांचे, शिक्षा और रोजगार को अपने मुख्य मुद्दे के रूप में उठाया। उन्होंने बेलदा-केशियाड़ी मोड़ रेलवे गेट पर फ्लाईओवर निर्माण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना है कि यातायात की समस्या को दूर करना उनके प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। इसके साथ ही, उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में महिला कॉलेज स्थापित करने और प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में छात्रों के लिए फ्री वाई-फाई सुविधा देने का भी वादा किया। इलाके के बेरोजगार युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सुनिश्चित करना भी उनके कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। तापस सिन्हा ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस और केंद्र की सत्ता वाली भाजपा दोनों को भ्रष्टाचार में डूबा बताया। उन्होंने आम जनता की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में उनकी विफलता पर भी निशाना साधा।

न्यूज IN ब्रीफ

बाइक से फिसलकर गिरने से महिला की मौत

अमेठी : उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधाधारी मजरे किसनी गांव निवासी हितलाल अपनी पत्नी करिश्मा और दो महीने की बेटी जानकी को लेकर इलाज कराने बाइक से डॉक्टर के यहां ले जा रहा था। तभी रास्ते में सड़क पर गिरी बालू पर बाइक फिसल गई जिसके कारण बाइक पर सवार पति–पत्नी और बेटी तीनों सड़क पर गिर पड़े। जिसके चलते करिश्मा के सिर में गंभीर चोट आई। आनन फानन में पति हितलाल द्वारा करिश्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजार शुक्ल ले जाया गया। जहां पर डॉक्टर ने करिश्मा (27) को मृत घोषित कर दिया। हालांकि इस हादसे में दो माह की बेटी जानकी और पति हितलाल पूरी तरह से सुरक्षित है। किंतु बेटी के सर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। घटना की जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। घर के लोग छोटे बच्चों को देखकर लगातार रोए जा रहे हैं। ऐसे में अब बच्चे की देखभाल कौन करेगा। इस संबंध में बाजार शुक्ल के थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गई। जहां पर करिश्मा की लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़, महिलाओं से छिनैती करने वाला बदमाश गिरफ्तार

बरेली : महिलाओं से मोबाइल, पर्स और हैंडबैग छीनने की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर बदमाश को मंगलवार तड़के थाना सुभाषनगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय उर्फ संजू उर्फ रघु (24) पुत्र राजेंद्र निवासी ग्राम सुकाली, थाना शाही के रूप में हुई है। वह अपने साथी अमित के साथ मिलकर इज्जतनगर, कैंट और सुभाषनगर क्षेत्र में महिलाओं से छिनैती की घटनाओं को अंजाम देता था। अमित की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। बताया गया कि 9 मार्च को इज्जतनगर के नैनीताल रोड रेलवे मार्केट के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला का हैंडबैग छीना था। इसके बाद 12 मार्च को कैंट क्षेत्र के बुखारा मोड़ के पास महिला के कंधे से पर्स छीन लिया गया। वहीं, 13 मार्च को सुभाषनगर क्षेत्र में पराग फैक्ट्री के पास स्कूटी सवार महिलाओं से मोबाइल और वॉलेट छीन लिया गया था। इन घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। मंगलवार सुबह करीब चार बजे मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक बिना नंबर प्लेट की यामाहा एफजेड बाइक से करगैना चौकी क्षेत्र में घूम रहा है। इस पर पुलिस ने फतेहपुर रोड इटौआ मोड़ पर घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार, खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैरों में गोली लग गई। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की बाइक, एक सैमसंग मोबाइल, 2500 रुपये नकद और दो आधार कार्ड बरामद हुए। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि महिलाओं से छिनैती की घटनाओं में शामिल गिरोह के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। उसके फरार साथी की तलाश में टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों दिशाओं से यात्रियों को आवागमन की अनुमति

जम्मू : मंगलवार सुबह जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–44) पर दोनों दिशाओं से यात्रियों के आवागमन की अनुमति दे दी गई है। एसएसपी ट्रैफिक राष्ट्रीय राजमार्ग राजा आदिल ने बताया कि राजमार्ग के बहाल होने के बाद जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू की ओर वाहनों का आवागमन फिर से शुरू हो गया है। अधिकारियों ने यात्रियों को लेन अनुशासन का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है और चेतावनी दी है कि ओवरटेकिंग और गलत लेन में गाड़ी चलाने से मार्ग पर यातायात जाम हो सकता है। लोगों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और इसके बजाय ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक प्लेटफॉर्म जिनमें उनके सोशल मीडिया हैंडल और ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट (टीसीयू) शामिल हैं के माध्यम से सड़क की स्थिति की पुष्टि करें।

नवजोत कौर सिद्धू ने नया राजनीतिक दल बनाया, नाम है भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी

चंडीगढ़ : पूर्व क्रिकेटर एवं पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने नए राजनीतिक दल के गठन का ऐलान कर दिया। नवजोत कौर सिद्धू ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए ह्यभारतीय राष्ट्रवादी पार्टीह्ण के गठन का ऐलान किया। नवजोत कौर के अहम फैसले के दौरान नवजोत सिद्धू उनके साथ नहीं थे। वह इन दिनों क्रिकेट मैच की कमेंट्री में व्यवस्त हैं। डॉ.नवजोत कौर सिद्धू पंजाब में मुख्य संसदीय सचिव रह चुकी हैं। वह अपने पति के साथ कांग्रेस में भी सक्रिय रही हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी पार्टी का ऐलान बगैर किसी शोर–शराबे के किया । सोमवार देररात एक्स के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि जिस घोषणा का बेसब्री से इंतजार था, वह अब सामने है। हमने राजनीतिक नेताओं के मौजूदा कामकाज के स्तर की बारीकी से निगरानी और समीक्षा करने के बाद, राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प पर काम करना शुरू कर दिया है। हम बस अपना जीवन अपने देश को समर्पित करना चाहते हैं, और लोगों को वह सब लौटाना चाहते हैं जिसके वे सचमुच हकदार हैं और जिसकी वे हमसे उम्मीद करते हैं। यह एक ईश्वरीय हस्तक्षेप है जिसने कुछ ऐसे समान विचारधारा वाले लोगों को एक साथ ला दिया है, जिनके पास हर राज्य में काम करने की क्षमता, आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प है। उनका साझा लक्ष्य है—न्याय और शांति प्रदान करना, और प्रेम के माध्यम से 'उच्च चेतना' की ऊर्जा के साथ काम करते हुए, ठीक वही कर दिखाना जो 'वाहेगुरु जी' हमसे चाहते हैं। हम पंजाब को उसकी खोई हुई पुरानी शान—एक स्वर्ण राज्य होने का गौरव—वापस दिलाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। एक ऐसा राज्य जहां लोग प्रेम, मिल–बांटकर रहने, न्याय, स्वतंत्रता के अधिकार और आजादी की शक्ति को पहचानते हों। जहां लोग बिना किसी बाहरी दखल के, निस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिक विकास के उद्देश्य से काम करते हुए अपने लक्ष्यों, मूल्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करते हों। यह पंजाब के लोगों की, लोगों के लिए और लोगों द्वारा चलाई जाने वाली सरकार होगी। हम आध्यात्मिक गुरुओं की सहायता से लोगों की घायल आत्माओं को सुकून पहुंचाएंगे और 'सत्य तथा प्रेम' के उस मार्ग पर चलेंगे जो स्वयं 'वाहेगुरु जी' की भाषा है।

रिजर्व बैंक गवर्नर कल सुबह 10 बजे एमपीसी समीक्षा बैठक के नतीजों की करेंगे घोषणा

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआइ) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक दूसरे दिन भी चल रही है। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति ने सोमवार को इस बैठक की शुरूआत की। इस बैठक के फैसले की घोषणा बुधवार को रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा सुबह 10 बजे करेंगे। आरबीआइ ने मंगलवार को ह्यएक्सह्ण पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि मौद्रिक नीति की घोषणा 8 अप्रैल, 2026 को निर्धारित है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को सुबह 10 बजे बैठक के नतीजों की घोषणा करेंगे। आरबीआइ गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में चल रही यह बैठक एक मुश्किल समय में हो रही है, क्योंकि वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों ने केंद्रीय बैंक के काम को और भी जटिल बना दिया है। पश्चिम एशिया संकट के बीच आरबीआइ की चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पहली तीन दिवसीय समीक्षा बैठक चल रही है, यह समीक्षा बैठक 8 अप्रैल तक चलेगी। अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट 5.25 फीसदी पर बने रहने की संभावना जताई है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मुद्रा संबंधी दबावों के बीच आर्थिक परिदृश्य का आकलन करने के लिए आरबीआइ की मौद्रिक समीक्षा बैठक में केंद्रीय बैंक इस बार भी रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत बनाए रखेगा। इस समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट और महंगाई पर फैसला लिया जाएगा।

रेपो रेट का अर्थ : रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर आरबीआइ बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। इसका सीधा प्रभाव लोन, ईएमआइ, बचत और निवेश पर पड़ता है। इससे पहले पिछले वित्त वर्ष के फरवरी 2026 में हुई अंतिम एमपीसी बैठक में भी रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। हालांकि, रिजर्व बैंक फरवरी, 2025 से अब तक रेपो रेट में कुल 125 फीसदी की कटौती कर चुका है।

न्यूज IN ब्रीफ

ब्रह्मभोज में उमड़ा जनसैलाब, जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

हैदरनगर : प्रखंड के बहेरा गांव में संतन कुमार सिंह(एसडीएम औरंगाबाद) के पूज्य पिताजी स्वर्गीय राम प्रवेश सिंह के ब्रह्मभोज कार्यक्रम का आयोजन भावपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम में विशेष रूप से औरंगाबाद के विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह,रफीगंज के विधायक प्रदीप कुमार सिंह तथा विधान पार्षद दिलीप सिंह उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि स्वर्गीय राम प्रवेश सिंह का सामाजिक योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम में नबीनगर के पूर्व विधायक डब्लू सिंह, प्रगतिशील किसान नेता प्रेमतोष सिंह, डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह, भाजपा नेता कामेश्वर कुशवाहा, कर्नल संजय कुमार सिंह तथा हैदरनगर अंचल पदाधिकारी संतोष कुमार सहित सैकड़ों गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा औरंगाबाद जिले के अपर समाहर्ता, एडीएम, बीडीओ, सीओ सहित कई प्रशासनिक अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

पिपराटांड में सब्जी विक्रेता की पीट-पीटकर हत्या, मौत के बाद भड़का आक्रोश

मेदिनीनगर : पलामू जिले के पांकी पिपराटॉड़ थाना क्षेत्र स्थित पिपरा टांड में अज्ञात लोगों ने सब्जी विक्रेता अब्दुल बारीक मियां (लगभग 45 वर्ष) की लाठी-डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें पहले मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने रांची रिम्स रेफर कर दिया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बताया जाता है कि केलहवा बाजार में सब्जी बेचने के दौरान किसी बात को लेकर उनका कुछ लोगों से विवाद हुआ, जो मारपीट में बदल गया। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस जांच में जुट गई है और आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सुंडी-शौंडिक समाज ने उठाई एससी दर्जे की मांग

बंदगांव: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा आसाम विधानसभा चुनाव के दौरान आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को लेकर दिए गए बयान के बाद अब झारखंड में भी एक नई बहस शुरू हो गई है. मुख्यमंत्री के तर्क को आधार बनाकर राष्ट्रीय सुंडी समाज, झारखंड प्रदेश ने समाज को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल करने की मांग को पुनः जोरदार तरीके से उठाया है. हाल ही में मुख्यमंत्री ने आसाम में कहा था कि बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में आदिवासियों को मान्यता प्राप्त है, लेकिन आसाम में उन्हें इससे वंचित रखना अन्याय है. इसी तर्क को दोहराते हुए राष्ट्रीय सुंडी समाज के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र मंडल ने कहा कि झारखंड में सुंडी-शौंडिक समाज के साथ भी वैसा ही ₹अन्याय₹ हो रहा है. उन्होंने स्पष्ट किया कि जब पड़ोसी राज्यों में सुंडी-शौंडिक समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है, तो झारखंड में उन्हें इस अधिकार से दूर रखना तर्कसंगत नहीं है. प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र मंडल ने सरकार को याद दिलाया कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता और झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन (दिसुम गुरु) ने पूर्व में ही इस समाज की सामाजिक स्थिति को देखते हुए इन्हें एससी में शामिल करने हेतु महामहिम राष्ट्रपति को लिखित अनुरोध पत्र भेजा था. समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि वर्तमान में राज्य में हेमंत सोरेन की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है। ऐसे में मुख्यमंत्री को अपने स्वयं के तर्क और गुरुजी की पहल का सम्मान करते हुए इस दिशा में त्वरित निर्णय लेना चाहिए. समाज ने मांग की है कि इस मुद्दे पर देरी न करते हुए जल्द ही वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जाए.इस मौके पर राष्ट्रीय सुंडी समाज राष्ट्रीय संयोजक रणवीर भारतीय , जिला अध्यक्ष सराईकेला भरत मंडल ,अमीन मंडल,महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सोनाली मंडल,पूर्व सांसद सूरज मंडल ,प्रदेश सलाहकार नैलिन मंडल , युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष विकास मंडल,महासचिव प्रदेश प्रकाश मंडल ,प्रदेश सचिव सुमित मंडल , सराईकेला कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण मंडल, विष्वनाथ मंडल युवा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष, सुबोध चौधरी प्रदेश कार्यकारी सदस्य समेत काफी संख्या में मंडल समाज के लोग उपस्थित थे।

शहीद की पत्नी को मिली जमीन

चाईबासा : झारखंड सरकार ने शहीद परिवार के सम्मान में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय निर्णय लिया है। राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के संकल्प (दिनांक 21 दिसंबर 2017) के आलोक में, श्रीनगर में आतंकवादियों से वीरतापूर्वक लड़ते हुए शहीद हुए जवान सेलाय कुदादा की पत्नी बुधनी कुदादा को आवास निर्माण हेतु भूमि बन्दोबस्ती की स्वीकृति प्रदान की गई है।

चाईबासा उपायुक्त द्वारा खूंटपानी अंचल के अंतर्गत मौजा अंकोलकुटी में स्थित भूमि–थाना संख्या 37, खाता संख्या 01, प्लॉट संख्या 351, कुल रकवा 12.5 डिसमील–को इस उद्देश्य के लिए आवंटित किया गया है। यह भूमि अनावाद मालिक गैरमजरूआ खास खाते की श्रेणी में आती है।

यह निर्णय न केवल शहीद के परिवार को सम्मान देने का प्रतीक है, बल्कि राज्य सरकार की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को भी दशार्ता है। इससे शहीद परिवार को स्थायी आवास की सुविधा मिल सकेगी और उनके जीवन में स्थिरता आएगी।

सिदगोड़ा में गांजा के साथ गिरफ्तार आरोपी गया जेल

जमशेदपुरः सिदगोड़ा पुलिस ने गांजा के साथ गिरफ्तार परसुडीह मकदमपुर निवासी पिंकू कर्मकार को मंगलवार को जेल भेज भेज दिया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 3.71 किलो गांजा बरामद किया है जिसका बाजार मूल्य 1.50 लाख रुपए बताई न रही है। मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गांजा सप्लाई करने के लिए आ रहा है। इसके बाद एक टीम का गठन कर आरोपी को पकड़ लिया गया। पिंकू पूर्व में परसुडीह ने बाइक चोरी के मामले में जेल जा चुका है वहीं पंजाब के अमृतसर में भी वह एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल गया था। तीन साल बाद वह जेल से छुटकर बाहर आया था। फिलहाल आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

डीसी ने किया पालना घर का शुभारंभ

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को समाहरणालय ब्लॉक सी के प्रथम तल पर निर्मित पालना घर (क्रेच) का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यरत महिलाओं की सुविधा, बच्चों की सुरक्षित देखभाल एवं उनके समुचित पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पालना घर की स्थापना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि पालना घर में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। यहां बच्चों के

लिए खेल-कूद की सामग्री, विश्राम की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, पोषण युक्त आहार, शौचालय एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं देखभाल की व्यवस्था भी की गई है, ताकि उनके समग्र विकास को बढ़ावा मिल सके।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने विशेष रूप से माताओं के लिए स्तनपान (इ१ीं२३ीीप्रिल्लिॅ) कक्ष की व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि यह स्थान पूर्णतः सुरक्षित, स्वच्छ एवं गोपनीयता युक्त बनाया गया है, जिससे कार्यरत महिलाएं अपने शिशुओं को सहज एवं सम्मानजनक वातावरण में स्तनपान करा सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में भी इसी प्रकार के पालना घर स्थापित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को इसका लाभ मिल सके। साथ ही समाहरणालय परिसर में स्पष्ट एवं आकर्षक साइनेज लगाने के निर्देश दिए गए, जिससे महिलाएं आसानी से पालना घर तक पहुंच सकें। साथ ही उपायुक्त ने पालना घर के सुचारू संचालन, नियमित निगरानी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि यह सुविधा महिलाओं के लिए वास्तव में सहायक एवं उपयोगी साबित हो सके।

डीसी ने किया विकास शाखा का निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को जिला विकास शाखा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रैंडम फाइल निकलवाकर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी फाइल लंबित न रहे तथा सभी कार्य समयबद्ध रूप से निष्पादित किए जाएं। इस क्रम में उन्होंने कर्म पुस्तिका, आगत-निर्गत पंजी, लॉग बुक, गार्ड फाइल सहित विभिन्न संचिकाओं की जांच की एवं जिला विकास शाखा प्रभारी के कार्यालय में भी फाइलों का निरीक्षण किया। साथ ही कर्मियों की उपस्थिति की भी जानकारी ली। इसके उपरांत उपायुक्त श्री सिन्हा ने जिला ग्रामीण विकास शाखा कार्यालय का निरीक्षण

किया। उन्होंने आवास योजना के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। उन्होंने 31 मार्च तक किए गए भुगतान की विवरणी की जानकारी ली तथा स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी लाभुक का भुगतान अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय के विभिन्न सेक्शन का निरीक्षण करते हुए कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया। मौके पर उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

पलामू को बड़ी सौगात दिलाने की पहल

नई रेल सेवाओं के लिए सांसद विष्णु दयाल राम ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : पलामू संसदीय क्षेत्र में बेहतर रेल संपर्क सुनिश्चित कराने को लेकर सांसद विष्णु दयाल राम ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर दो महत्वपूर्ण नई ट्रेन सेवाओं की शुरूआत की मांग की है। उन्होंने कहा कि पलामू जिले के यात्रियों–विशेषकर महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और तीर्थयात्रियों–को लंबी दूरी की यात्रा में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिसे दूर करना जरूरी है।

चोपन–देवघर एक्सप्रेस चलाने की मांग : सांसद ने अपने पत्र में चोपन-देवघर एक्सप्रेस को डाल्टनगंज और धनबाद के रास्ते चलाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि श्रावण माह में बाबा धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक होती है, लेकिन इस क्षेत्र से सीधा रेल संपर्क नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। इस ट्रेन के संचालन से श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा।

रांची–अहमदाबाद एक्सप्रेस के नए मार्ग का प्रस्ताव : इसके साथ ही सांसद ने रांची-अहमदाबाद एक्सप्रेस को लोहरदगा, डालटनगंज और जपला के रास्ते चलाने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने बताया कि मोहम्मदगंज, हैदरनगर और जपला क्षेत्र के लोगों के लिए राजस्थान और गुजरात जैसे पश्चिमी राज्यों तक सीधा रेल संपर्क उपलब्ध नहीं है। इससे रोजगार, शिक्षा और व्यवसाय से जुड़े यात्रियों को काफी परेशानी होती है।सांसद ने कहा कि इन दोनों रेल सेवाओं की शुरूआत से पलामू क्षेत्र का रेल संपर्क मजबूत होगा, यात्रियों को राहत मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने रेल मंत्री से शीघ्र अनुमोदन और आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

भाजपा की विकास यात्रा पर संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

दुमका : भारतीय जनता पार्टी,दुमका द्वारा सोमवार को भाजपा के 47 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुराना भाजपा कार्यालय में ₹भाजपा की विकास यात्रा₹ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत एवं वर्तमान जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल उपस्थित रहे।

निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना देश में एक वैचारिक क्रांति के रूप में हुई थी,जिसका मूल उद्देश्य राष्ट्रवाद,सुशासन और अंत्योदय के सिद्धांतों को धरातल पर उतारना रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने संघर्ष और समर्पण के बल पर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। केंद्र में भाजपा सरकार के नेतृत्व में देश ने विकास,सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें।

वहीं वर्तमान जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने अपने वक्तव्य में कहा कि भाजपा की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं,जो निस्वार्थ भाव से संगठन को मजबूत करने में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का एक सशक्त संकल्प है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को सुदृढ़ करने,सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और समाज के हर वर्ग के साथ जुड़कर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर भाजपा स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को दोहराया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह,पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष गायत्री जयसवाल,नीतू झा,अजय वर्मा, दीप्तांशु कोचगवे, दिनेश सिंह, मनीष कुमार, रंजना उपाध्याय, रानी सिंह, दर्शन हेमब्रम, संतोष ढीवर, सुजीत यदुवंशी, फारूक अनवर, राजेश वर्मा समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

केबी सक्सेना : इनकी ईमानदारी की चर्चा लोगों की जुबां पर

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा के कुछ ऐसे अधिकारी भी हैं जिनकी ईमानदारी हमेशा उन्हें सम्मान और उत्कृष्ठ की संज्ञा दिलायी है। अविभाविजत बिहार के समय तत्कालिन गृह सचिव केबी. सक्सेना एक ऐसा नाम है जिनके नाम से ही अधिकारियों और कर्मियों में उनकी ईमानदारी की चर्चा लोगों की जुबां पर आ जाती थी। उनके संदर्भ में यह कहा जाता है कि उन्होंने हमेशा अपने दायित्व और कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। अपने कर्तव्यों का पूर्णतः अनुपालन किया और लोग अधिकारी, पदाधिकारी के साथ-साथ ईमानदारी के प्रतीक बनें। इनके बारे में कहा जाता है कि वे अपना इस्तीफा सदैव तैयार रखा करते थे और इस संदर्भ में बताया जाता है कि वे इस्तीफा की बात इसलिए कहते थे कि उन्हें जब यह प्रतित होगा कि वे अपने दायित्व का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन नहीं कर पायेंगे तो उन्हें इस पद पर रहने का कोई औचित्य नहीं है। दूसरा उदाहरण भी कम सम्मानजनक नहीं है। एक बार जब उनके परिजन उनका वाहन प्रयोग करने के क्रम में ले गये तब वे काफी कुपित हुए और इसे गैर जिम्मेदाराना माना था। तीसरी जानकारी भी बड़ा अद्भुत है जब एकीकृत बिहार के समय हजारीबाग प्रमण्डल अधीन प्रशासनिक बैठक थी उस समय इस प्रमण्डल के सभी उपायुक्त उक्त आगमन को लेकर सर्किट हाउस पहुंचें किन्तु गृह सचिव श्री सक्सेना ने उन उपायुक्त को ही इस बैठक में शामिल होने को कहा जिन जिला से संबंधित जानकारी उन्हें लेनी थी। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि ऐसे आई.ए.एस अधिकारी की प्रेरणा के स्त्रोत रहे हैं और अपनी ईमानदारी और कर्मठता से विभाग को ईमानदारी का पाठ भी पढ़ाया और उन्हें ईमानदार रहने की प्रेरणा भी दी। श्री सक्सेना भारतीय प्रशासनिक सेवा 1965 बैच के अधिकारी रहें तथा बिहार से वर्ष 2001 में बिहार से ही सेवानिवृत हुए।

डॉ विश्वनाथ ओझा के निधन से शोक की लहर

मेदिनीनगर : जिले के जाने-माने चिकित्सक डॉ. विश्वनाथ ओझा के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर फैलते ही सामाजिक, राजनीतिक और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की।डॉ. ओझा लंबे समय से चिकित्सा सेवा के माध्यम से लोगों का उपचार कर रहे थे। वे अपनी सरलता, मिलनसार व्यवहार और मरीजों के प्रति समर्पण के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। गरीब और जरूरतमंद मरीजों का वे विशेष ध्यान रखते थे, जिसके कारण समाज के हर वर्ग में उनकी अलग पहचान थी।

उनके निधन की सूचना मिलते ही उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। कई गणमान्य लोगों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. ओझा का जाना चिकित्सा क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।शोक व्यक्त करने वालों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की।

चक्रधरपुर नप बोर्ड की बैठक में सफाई, पेयजल और राजस्व बढ़ाने पर अहम फैसले

संवाददाता

चक्रधरपुर : नगर परिषद की दूसरी बोर्ड बैठक सोमवार को परिषद कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में गर्मी और आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए शहर में संभावित समस्याओं और उनके समाधान को लेकर व्यापक रणनीति बनाई गई। साथ ही बैठक में वार्ड पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों और मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के बाद नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बोर्ड के सदस्यों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों के बेहतर समन्वय से शहर की समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। उन्होंने नगरवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास से ही चक्रधरपुर को एक आदर्श नगर बनाया जा सकता है। श्री उरांव ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी प्रस्तावों पर प्राथमिकता के साथ काम किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पार्षदों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को जल्द राहत मिल सके।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों के तहत गर्मी में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए शहरी क्षेत्र के सभी नलकूपों की मरम्मत कराने का निर्णय लिया गया। वहीं, बरसात से पहले जलजमाव की

समस्या से बचाव के लिए नालियों की सफाई अभियान चलाया जाएगा तथा आवश्यक स्थानों पर नालियों के ऊपर स्लैब भी लगाए जाएंगे।

स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सभी वार्डों में डस्टबिन वितरण किया जाएगा। साथ ही बाजारों, दुकानों और मॉल में बड़े डस्टबिन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि कचरा खुले में न फेंका जाए। घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए लोगों को वाहन में कचरा देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए प्रति घर 30 रुपये मासिक शुल्क निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा गया है, जबकि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निर्धारित दर के अनुसार शुल्क लिया जाएगा।

नगर परिषद के राजस्व में वृद्धि के लिए बकाया होल्डिंग टैक्स की वसूली पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा परिषद में रिक्त पदों पर बहाली, कर्मचारियों एवं वार्ड पार्षदों के लंबित मानदेय के भुगतान का भी निर्णय लिया गया। परिषद के खराब पड़े वाहनों की मरम्मत कराने तथा अनुपयोगी होने पर उन्हें नीलाम कर नए वाहन खरीदने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक में नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय साव, कार्यपालक पदाधिकारी विजय हांसदा समेत सभी वार्ड पार्षद और परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे।